Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 203
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,21 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 पोखरा के गोशाला में अधेड़ की संदिग्ध हालात में

4 कार्डियक अरेस्ट के दौरान जान बचाने के लिए

7 19 साल बाद फिर से भारत आएंगी ग्लोबल

यूपीः सीएम योगी बोले

पहले डर से कोई निवेश नहीं करता था

सपा सरकार में नीचे से तीसरे नंबर पर था प्रदेश

लखनऊ। यूपी विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी ने सदन को संबोधित किया। उन्होंने सत्ता और विपक्ष के बीच हुई सार्थक चर्चा के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर चुटकी लेते हुए कहा कि शिवपाल यादव का श्राप उन्हें न लगे और वे स्वस्थ रहें। सीएम योगी ने कहा, स्थानीय स्तर पर भी रोजगार का सृजन होना चाहिए, जिस राज्य के पास एमएसएमई का नेटवर्क होगा, वह राज्य औद्योगिक निवेश को करने में सफल हो सकता है। 2017 से पहले संभावनाएं थी, लेकिन आप लोगों की सरकार के भय के नाते कोई निवेश करने को तैयार नहीं था। 2018 में हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की शुरूआत की। आज हमारे यहां 96 लाख एमएसएमई यूनिट है।

जिसका भी रजिस्ट्रेशन हुआ है, उन्हें राज्य सरकार 5 लाख रुपए का बीमा दे रही है। लोगों का विश्वास बढ़ा है। अब तक प्रदेश में 1.10 लाख युवाओं को सीएम ऋण योजना से ब्याज मुक्त और गारंटी मुक्त लोन दिया। मैं तो मंत्री जी से कहूंगा कि उन लोगों की ट्रेनिंग दी जाए। हम तो बस इतना चाहते हैं कि वह ट्रेनिंग हासिल करके अच्छा करें और फिर मूल धन वापस कर दें। पहली बार उत्तर प्रदेश ने अपना आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया।

कांग्रेस ने पूरी दुनिया में भारत को बदनाम किया

वित्त मंत्री ने हमसे कहा कि करना चाहिए कि नहीं, हमने कहा कि अगर हमने काम किया है तो प्रस्तुत करना ही चाहिए। और हमने इसे प्रस्तुत किया। सरकार द्वारा निरंतर किए जाने वाले प्रयास के चलते यह सब संभव हो पाया। सपा सरकार में नीचे से तीसरे नंबर पर था यूपी सीएम ने आगे कहा कि 2016-17 में यूपी देश के अंदर नीचे से तीसरे नंबर पर था। आज डबल इंजन की सरकार ने बॉटम थ्री से टॉप थ्री राज्यों तक पहुंचाया है। आज परसेप्सन बदला है। कुछ जनपद ऐसे थे, जिनका नाम सुनकर लोग उसे होटल में कमरे नहीं देते थे। यूपी अब वन ट्रिलियन की इकोनॉमी बनेगा। बड़ा कार्य करने के लिए बड़ा लक्ष्य रखा जाता है। फिर, उसी हिसाब से परिश्रम किया जाता है। जब किसानों का कर्ज माफ करने के लिए सोचा तब भी पैसे की समस्या आई।

लेकिन, हमने योजना बनाई और अपने बजट से 86 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। कांग्रेस ने पूरी दुनिया में भारत को बदनाम किया सीएम ने दिल्ली के भारत मंडपम ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा, भारत की तरफ दुनिया देख रही। भारत मंडपम के अकसमिट में 100 से ज्यादा देशों के लोग आए। कांग्रेस के युवा संगठन ने शर्मनाक काम किया। पूरी दुनिया में भारत की छवि को खराब करने का काम किया है। इसकी निंदा होनी चाहिए।

स्टार्टअप दिग्गजों से मिले पीएम मोदी

कृषि,शिक्षा के सेक्टर में एआई व डीपटेक की संभावनाओं पर चर्चा की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने की बात भी कही और भारतीय स्टार्टअप में निवेशकों की मजबूत रुचि का उल्लेख किया। कृषि व पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा करते हुए उन्होंने फसल उत्पादकता और उर्वरक उपयोग की निगरानी के जरिये मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने की संभावनाओं पर विचार साझा किए। भारतीय भाषाओं एवं संस्कृति के महत्व पर बल देते हुए मोदी ने मातृभाषा में उच्च शिक्षा के लिए एआई उपकरणों के विस्तार का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने नवप्रवर्तकों को साहसिक जोखिम उठाने और प्रभावशाली समाधान विकसित करने के लिए बधाई दी। बयान के अनुसार, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का उपयोग उन्नत 'डायग्नोस्टिक्स', 'जीन थेरेपी' और रोगी रिकॉर्ड प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा रहा है, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें।

सार संक्षेप

निमार्णाधीन मकान की शटरिंग गिरी, एक की मौत,दूसरे की हालत गंभीर

नोएडा,(संवाददाता)। नोएडा में निर्माणधीन इमारत की शटरिंग गिर गई। इससे तफरी मच गई। दो मजदूर मलबे में दब गए। लोगों ने देखा तो फौरन निकालकर अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों से घटना की जानकारी ली। उसके बाद मामले की छानबीन में जुट गई। घटना शुक्रवार को थाना सेक्टर-113 की है। पुलिस के अनुसार आज थाना सेक्टर-113 को डायल-112 के जरिए सूचना मिली कि सफाबाद गांव में निमार्णाधीन मकान की शटरिंग गिर गई है। हादसे में दो मजदूर घायल हुए थे। उसमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वही दूसरे की हालत गंभीर बनी है। घटना के समय दोनों वहां पर काम कर रहे थे। लोगों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां एक की मौत हो गई। दोनों मजदूरों की पहचान कर ली गई है। उनमें से एक मोहित पाल और दूसरा जीतू है। मोहित हरदोई और जीतू राजस्थान का रहने वाला है। मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शिलॉन्ग सांसद रिकी सिंगकॉन के निधन पर पीएम मोदी ने जताया शोक

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शिलॉन्ग से लोकसभा सांसद रिकी ए.जे. सिंगकॉन के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सांसद को मेघालय की जनता के लिए अथक परिश्रम करने वाले एक समर्पित जनसेवक के रूप में याद किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शिलॉन्ग से लोकसभा सांसद डॉ. रिकी ए.जे. सिंगकॉन के निधन से दुखी हूं। मेघालय की जनता के लिए उनकी समर्पित सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के साथ हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शिलॉन्ग के सांसद रिकी ए.जे. सिंगकॉन वॉइस ऑफ द पीपल पार्टी (वीपीपी) से थे। गुरुवार शाम फुटबॉल खेलते समय वे अचानक गिर पड़े थे, जिसके बाद उनका निधन हो गया। उनकी इस घटना से मेघालय के राजनीतिक हलकों में गहरा सदमा और शोक फैल गया है। उनके दोस्त उन्हें तुरंत पास के मावियोंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, लेकिन उस समय केंद्र में डॉक्टरों के न रहने की वजह से उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र में रेफर किया गया। बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए जाइआव स्थित डॉ. एच. गॉर्डन रॉबर्ट्स अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बंगाल एसआईआर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; कलकत्ता हाईकोर्ट से कहा

सीजेएम हटाकर पुराने जजों को खोजें

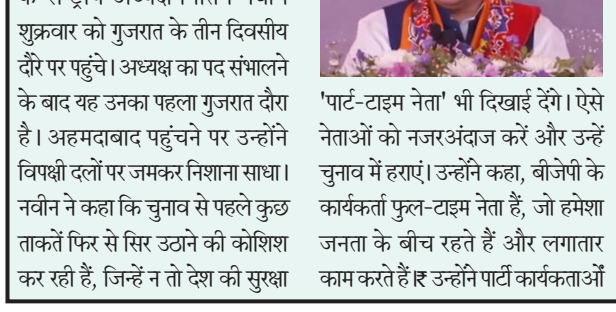

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। अदालत ने तार्किक विसंगति सूची में शामिल मतदाताओं के दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने सख्त रूख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें। 'संयोग नहीं प्रयोग': एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपा बोली- राहुल गांधी के घर पर बनी इसकी योजना सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर बाद में पूरक (सप्लीमेंट्री) सूची भी जारी की जा सकती है। अदालत ने पश्चिम बंगाल के सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर प्रक्रिया में लगे न्यायिक अधिकारियों को लॉजिस्टिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करें। एसआईआर प्रक्रिया में न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी भी तैनात रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे मुख्य सचिव, डीजीपी और चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ एक बैठक करें, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके। कोर्ट ने साफ कहा कि एसआईआर से जुड़े मामलों में न्यायिक अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशों को अदालत का आदेश माना जाएगा और जिला प्रशासन व पुलिस को उनका पालन करना होगा। इन निदेर्शों के बाद साफ है कि सुप्रीम कोर्ट एसआईआर प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के मुताबिक पूरा कराने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। कोर्ट ने विवाद को क्यों बताया गंभीर? मतदाता सूची से जुड़े इस मामले को गंभीर बताते हुए कोर्ट ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी तार्किक विसंगति सूची में शामिल लोगों के दावों और आपत्तियों पर फैसला करेंगे। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को भी लगभग एक हफ्ते की मोहलत दी। अदालत ने कहा कि निर्वाचन आयोग 28 फरवरी को बंगाल में मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित कर सकता है।

तीन दिवसीय बैठक में भारत, अमेरिका के अधिकारी लेंगे हिस्सा

नईदिल्ली: भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम

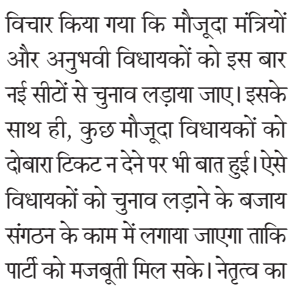

रूप देने के लिए तीन दिवसीय बैठक 23 फरवरी से अमेरिका में शुरू होगी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस महीने की शुरूआत में भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी कर यह घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा तय कर ली गई है। संयुक्त बयान में समझौते की मुख्य रूपरेखा तय की गई। अब इन बिंदुओं को एक औपचारिक कानूनी समझौते में बदला जाएगा, जिस पर दोनों पक्ष हस्ताक्षर करेंगे। इस पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि भारतीय और अमेरिकी दल सोमवार से अपनी तीन दिवसीय बैठक शुरू करेंगे। भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं मुख्य वातार्कार दर्पण जैन करेंगे। अंतरिम व्यापार समझौते के तहत, दोनों पक्ष आपस में व्यापार किए जाने वाले कई वस्तुओं पर शुल्क रियायतें देंगे। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। साथ ही, रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क को पहले ही समाप्त किया जा चुका है।

'पार्ट-टाइम नेताओं से सावधान रहें': गुजरात पहुंचे नितिन नवीन का विपक्ष पर हमला;

गुजरात : बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन तीन दिन के गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय कुछ 'पार्ट-टाइम नेता' सामने आ जाते हैं, जनता को इनसे बचकर रहना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शुक्रवार को गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे। अध्यक्ष का पद संभालने के बाद यह उनका पहला गुजरात दौरा है। अहमदाबाद पहुंचने पर उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। नवीन ने कहा कि चुनाव से पहले कुछ ताकतें फिर से सिर उठाने की कोशिश कर रही हैं, जिन्हें न तो देश की सुरक्षा की परवाह है और न ही आम आदमी की। 'पार्ट-टाइम नेताओं' से रहें सावधान नवीन ने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ

'पार्ट-टाइम नेता' भी दिखाई देंगे। ऐसे नेताओं को नजरअंदाज करें और उन्हें चुनाव में हराएं। उन्होंने कहा, बीजेपी के कार्यकर्ता फुल-टाइम नेता हैं, जो हमेशा जनता के बीच रहते हैं और लगातार काम करते हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से कहा कि हमें लोगों के साथ इतने मजबूत रिश्ते बनाने चाहिए कि वे उन पार्ट-टाइम नेताओं के बारे में सोचें भी नहीं। बता दें कि गुजरात में विधानसभा चुनाव दिसंबर 2027 में और लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं। गुजरात की धरती को किया नमन अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा, मैं इस पवित्र भूमि को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि जिस भावना और गर्मजोशी से गुजरात पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है, वह सचमुच काबिले-तारीफ है।

टीएमसी में बड़े बदलाव की तैयारी, अनुभवी चेहरों की सीटें बदल सकती हैं ममता बनर्जी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ममता बनर्जी के आवास पर हुई बैठकों में कई मंत्रियों और विधायकों की सीटें बदलने पर चर्चा हुई। पार्टी इस बार नए और पुराने चेहरों में संतुलन बनाने पर जोर दे रही है। पश्चिम बंगाल में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने उम्मीदवारों को चुनने की शुरूआती प्रक्रिया शुरू कर दी है। खबर है कि पार्टी नेतृत्व इस बार कई बड़े फैसले ले सकती है। इसके तहत राज्य मंत्रिमंडल के कुछ बड़े सदस्यों और पार्टी के अनुभवी विधायकों के चुनाव क्षेत्रों में बदलाव किया जा सकता है। ममता बनर्जी

के आवास पर हुई अहम बैठकें पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कोलकाता के कालीघाट स्थित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास पर बुधवार और गुरुवार को दो दौर की अहम बैठकें हुईं। इन बैठकों में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया। जिनमें इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए संभावित उम्मीदवारों के चयन पर प्रारंभिक चर्चा हुई। विधायकों के टिकट कटने और सीट बदलने पर मंथन बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि मौजूदा मंत्रियों और अनुभवी विधायकों को इस बार नई सीटों से चुनाव लड़ाया जाए। इसके साथ ही, कुछ मौजूदा विधायकों को दोबारा टिकट न देने पर भी बात हुई। ऐसे विधायकों को चुनाव लड़ाने के बजाय संगठन के काम में लगाया जाएगा ताकि पार्टी को मजबूती मिल सके। नेतृत्व का पूरा जोर इस बात पर है कि उम्मीदवारों की सूची में पुराने दिग्गजों और नए चेहरों के बीच एक सही संतुलन बनाया जाए। चर्चा का एक अहम हिस्सा यह भी था कि सेलिब्रिटी जगत, मीडिया और अन्य क्षेत्रों से जुड़े नए लोगों को मौका दिया जाए। सूत्रों का कहना है कि इस बार टीएमसी की उम्मीदवार सूची में बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं। राज्यसभा चुनाव की रणनीति भी तैयार इसी बीच, पश्चिम बंगाल से 16 मार्च को होने वाले पांच राज्यसभा सीटों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन पर भी चर्चा शुरू हो गई है।

यूथ कांग्रेस का हंगामा, भारत मंडपम में टी-शर्ट उतारकर की नारेबाजी

नईदिल्ली: भारत मंडपम में चल रहे एआई इंपैक्ट समिट के दौरान प्रदर्शन हुआ है, यह प्रदर्शन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की तरफ से किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने शर्ट उतारकर विरोध जताया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस प्रदर्शन कारियों को हिरासत में ले लिया है। प्रदर्शन के दौरान कई युवाओं ने टीशर्ट उताकर प्रदर्शन किया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील का विरोध करने यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता एआई इंपैक्ट समिटि में पहुंचे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकार नारेबाजी की। वहीं भाजपा ने इस तरह हुये प्रदर्शन को शर्मनाक बताया है। जो टीशर्ट प्रदर्शनकारी पहनकर आये थे, उस पर पीएम मोदी की तस्वीर बनी हुई थी। भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने शुक्रवार को कहा कि श्एआई इम्पैक्ट समिटश के दौरान संगठन के कार्यकताओं का प्रदर्शन इस आयोजन के खिलाफ नहीं, बल्कि अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि जब देश के किसानों का सौदा किया जा रहा हो, भारत विरोधी व्यापार समझौता हो रहा हो और युवाओं को बेरोजगार रखकर नफरत की राजनीति में झोंका जा रहा हो, तो फिर खामोश नहीं रहा जा सकता। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने शुक्रवार को एआई इम्पैक्ट समिट के एक प्रदर्शनी हॉल में पहुंचकर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए।

असम से शाह का बड़ा वादा

कांग्रेस राज के हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर भेजेंगे वापस

असम : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में घुसपैठ के लिए कांग्रेस की खुली सीमा नीति को जिम्मेदार ठहराया, दावा किया कि भाजपा सरकार ने इस पर लगाम लगाई है और सत्ता में लौटने पर हर घुसपैठिए को वापस भेजने का वादा किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कांग्रेस पर सीमा सुरक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में खुली सीमाओं के कारण असम में घुसपैठ हुई। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। असम के कछार जिले में एक जनसभा में बोलते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस राज्य में सार्थक विकास पहल शुरू करने में विफल रही, वहीं असम में अब बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है, जहां प्रतिदिन लगभग 14 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो रहा है - जो देश में सबसे अधिक दरों में से एक है। अमित शाह ने कहा कि आज एक तरह से वाइब्रेंट विलेज कक्रकी शुरूआत हो रही है। वाइब्रेंट विलेज कक्रके माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती गांवों में भारत के सभी गांवों के बराबर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास शुरू किया है... एक समय था जब सीमावर्ती गांवों को देश के अंतिम गांव कहा जाता था। ये अंतिम गांव न केवल सीमाओं के कारण अंतिम थे, बल्कि विकास के मामले में भी पिछड़े हुए थे। रोजगार, बिजली और शिक्षा के मामले में वे पिछड़े हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेज कक्र कार्यक्रम में यह संकल्प लिया है कि सीमा पर स्थित हर गांव अंतिम गांव नहीं, बल्कि भारत का पहला गांव है। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कक्रपरियोजना की लागत 6,900 करोड़ रुपये होगी और इसमें 17 राज्यों के 334 ब्लॉक और 1,954 गांव शामिल होंगे, जिनमें असम के नौ जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव शामिल हैं। असम के इन 140 गांवों में भारत के हर गांव के समान सुविधाएं होंगी। इस 7 हजार करोड़ रुपये के कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 2 हजार गांवों का विकास करना है। इसमें सुरक्षा संबंधी योजनाएं, योजना संतृप्ति योजनाएं और कई कनेक्टिविटी पहल सहित व्यापक योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि असम दो समस्याओं से जूझ रहा थाः घुसपैठिए असमिया लोगों के अधिकारों का हनन कर रहे थे। कांग्रेस सरकारों ने हमारी सीमाओं को घुसपैठियों के लिए खुला छोड़ दिया। घुसपैठिए लगातार असम में प्रवेश करते रहे। असम के युवाओं की नौकरियां, गरीबों का अनाज और गांवों की जमीन छीनकर असम की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास किया गया।

यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर आई.आर.आई.एस. संशोधन 4.0 ब्रॉन्ज प्रमाणन प्राप्त करने वाला भारतीय रेल का एकमात्र कारखाना

गोरखपुर,: यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर को यूरोपीय रेल उद्योग संघ यूनीफे (यू.एन.आई.एफ.ई.), बेल्जियम की ओर से 20 फरवरी, 2026 को अन्तर्राष्ट्रीय रेलवे उद्योग मानक (आई.आर.आई.एस.)- आई.एस.ओ./टी.एस. 22163:2017, संस्करण-04 (ब्रॉन्ज लेवल) प्रमाणन, डी.क्यू.एस., जर्मनी के अधिकृत मूल्यांकनकताओं द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री नरेश कुमार, मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना डॉ० सुनील कुमार शर्मा, वरिष्ठ रेल अधिकारी, डी.क्यू.एस जर्मनी के सलाहकार श्री सुधीर माहेश्वरी एवं आई.एस.ओ./कोऑर्डिनेटर श्री सोनू सिंह उपस्थित थे। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि हेतु प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री नरेश कुमार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कोच अनुरक्षण की गुणवत्ता के क्षेत्र में नवाचार एवं सतत सुधार करने पर बल दिया। श्री नरेश कुमार ने कहा कि इस प्रमाणन से यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आरामदायक कोच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबन्धक डॉ० सुनील कुमार शर्मा ने भारतीय रेल के कारखानों में यह प्रमाणन प्राप्त करने में योगदान देने वाले सभी इंजीनियरों तथा कर्मचारियों के समर्पण, कठिन परिश्रम एवं टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर अब तक लगभग 2,347 संगठनों को आई.आर.आई.एस. प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जिनमें से लगभग 175 भारतीय निजी एवं सरकारी संगठन सम्मिलित हैं। भारतीय रेल में संस्करण-04 के अंतर्गत यह प्रमाणन प्राप्त करने वाला यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर एकमात्र कार्यशाला है। इसके अतिरिक्त भारतीय रेल की केवल कुछ उत्पादन इकाइयों/रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों को ही यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (प्लांट) श्री एच.आर. खान ने आई.एस.ओ./टी.एस. 22163:2017 प्रमाणन प्राप्त करने हेतु पिछले दो वर्षों में किये गये कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। आई.आर.आई.एस. प्रमाणन हेतु यूनीफे द्वारा निर्धारित विभिन्न मानकों के अन्तर्गत परियोजना प्रबन्धन, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रक्रिया प्रबन्धन, लागत दक्षता, निरीक्षण प्रणाली, ग्राहक शिकायत निवारण तथा सतत सुधार व्यवस्थाओं का व्यापक मूल्यांकन किया जाता है। साथ ही उपभोक्ता अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु नियमित फीडबैक प्रणाली भी अपनाई जाती है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपरान्त यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर भारतीय रेल में कोच अनुरक्षण की गुणवत्ता, दक्षता एवं कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ करने की दिशा में अग्रसर हुआ है तथा वैश्विक रेलवे उद्योग के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणालियों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

बार एसोसिएशन चुनाव में अंतिम दिन की मतगणना शुरू दोपहर बाद घोषित होंगे कार्यकारिणी के नतीजे

कानपुर। कानपुर बार एसोसिएशन चुनाव की मतगणना के अंतिम दिन आज कनिष्ठ उपाध्यक्ष और कार्यकारिणी के 12 पदों के लिए वोटों की गिनती हो रही है। दोपहर बाद पूरी 21 सदस्यीय कार्यकारिणी की तस्वीर साफ हो जाएगी। कानपुर के बार एसोसिएशन चुनाव में मतगणना के तीसरे और अंतिम दिन राम अवतार महाना हाल में कनिष्ठ उपाध्यक्ष के अलावा वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छह छह पदों के लिए मतों की गिनती शुरू हो गई है। दोपहर बाद परिणाम आने की संभावना है। बार एसोसिएशन की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए मंगलवार को डीएवी डिग्री कॉलेज में चुनाव संपन्न हुए थे। इसके बाद बुधवार को देर शाम अध्यक्ष और महामंत्री पद के परिणामों की घोषणा हुई जिसमें योगेंद्र कुमार अवस्थी को अध्यक्ष और बिनय कुमार मिश्रा को महामंत्री चुना गया था। ये निर्वाचित घोषित किए गए थे गुरुवार को हुई छह पदों की मतगणना के बाद सोनल पाठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कृष्णकांत तिवारी मंत्री, अनिल बाबू चौधरी संयुक्त मंत्री पुस्तकालय, भगवत दास कोषाध्यक्ष, विवेक सिंह संयुक्त मंत्री प्रशासन और अभय त्रिपाठी संयुक्त मंत्री प्रकाशन पद पर निर्वाचित घोषित किए गए थे। मतगणना का काम जारी मतगणना एल्डर्स कमेटी चेयरमैन उमाशंकर गुप्ता, श्रीकांत दीक्षित, शिवशरण मिश्रा की निगरानी में चल रही है। अश्वनी आनंद, आनंद सचान, सिद्धार्थ, सौरभ त्रिवेदी, सुशील कुमार वर्मा आदि मतगणना के काम में लगे हैं। जैसे-जैसे मतपेटियां खुल रही हैं, उम्मीदवारों के समर्थकों की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं।

बंद कमरे में पंखे से लटका मिला छात्रा का शव

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के चिरली गांव में यूपीएसआई की तैयारी कर रही एक छात्रा ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों पर सस्पेंस बना हुआ है। कानपुर में साढ़ थाना क्षेत्र के चिरली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्रयागराज में रहकर दरोगा बनने का सपना संजोने वाली एक होनहार छात्रा ने गुरुवार को अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। साढ़ चौकी प्रभारी सर्वेंद्र सिंह ने बताया कि चिरली गांव निवासी परवेश दिवाकर की पुत्री सेजल (16) उर्फ काजल दो भाइयों के बीच इकलौती बहन थी। इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के बाद वह उच्च शिक्षा और यूपीएसआई की तैयारी के लिए प्रयागराज में रह रही थी। ड्यूटी से लौटी मां ने देखा बेटी का शव बताया गया कि वह बीते मंगलवार को ही प्रयागराज से अपने गांव वापस लौटी थी। गुरुवार सुबह सेजल अपनी मां विमला, जो आंगनबाड़ी सहायिका हैं, उन्हें केंद्र छोड़ने गई थी। वहां से लौटने के बाद उसने ऊपरी मंजिल के कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। दोपहर में जब मां ड्यूटी खत्म कर घर लौटी, तो कमरे का नजारा देख उनकी चीख निकल गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा कमरे के अंदर सेजल का शव पंखे के सहारे फंदे से लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और छानबीन शुरू की। पुलिस के मुताबिक, मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। छात्रा ने इतना आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बदलते मौसम में गले की खराश और त्वचा रोग का बढ़ा प्रकोप

बस्ती। बदलते मौसम में त्वचा रोगी और बुखार पीड़ितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह बुखार न केवल बदन तोड़ रहा है बल्कि गले में खराश की शिकायत भी बढ़ रही है। जिला अस्पताल की ओपीडी में बृहस्पतिवार को 804 मरीज उपचार के लिए आए थे। इसमें से अधिकांश मरीज बुखार के थे। चिकित्सक इसे वायरल संक्रमण बता रहे हैं। मौसम में तेजी के साथ बदलाव हो रहा है। सुबह के समय कभी कोहरा तो आसमान साफ होने से सुबह ही हल्की धूप निकल जा रही है। इसके सुबह शाम ठंड पड़ने के साथ दिन के समय मौसम शुष्क बना हुआ है। इससे कभी ठंड हो जाती तो कभी गर्मी का एहसास हो रहा है। ऐसे में लोगों के शरीर का तापमान भी गड़बड़ा गया है। फिजिशियन डॉ. अखिलेश मदेशिया के अनुसार, मौसम में बदलाव होने के समय यदि रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है तो इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ेगा। ऐसे मौसम में संक्रामक बीमारियां होने की आशंका अधिक रहती है। वायरल संक्रमण की चपेट में न सिर्फ युवा आ रहे हैं, बल्कि बच्चे और बुजुर्ग भी हैं। सभी इस बुखार से पीड़ित हैं। दवा लेने के बाद भी यह बुखार उतर नहीं रहा है। यह बुखार जाने में कम से कम आठ से 10 दिन का समय ले रहा है। वहीं, सीएचसी-पीएचसी पर भी बुखार पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि ठंडे खाद्य और पेय पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए। बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श लेना चाहिए।

खानपान सेवाओं को सुचारु प्रबंधन में जीआरपी के सहयोग पर चर्चा करते हुए आई.आर.सी.टी.सी. के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक/लखनऊ अजित कुमार सिन्हा और उत्तर प्रदेश राज्य के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी)/जीआरपी डी. प्रकाश

गोरखपुर,: इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आई.आर.सी.टी.सी.) भारत का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो भारतीय रेलवे के लिए टिकट, खानपान और पर्यटन सेवाएं प्रदान करता है। आई.आर.सी.टी.सी. के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक/लखनऊ श्री अजित कुमार सिन्हा और उत्तर प्रदेश राज्य के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी)/जीआरपी श्री डी. प्रकाश के बीच 19 फरवरी, 2026 को रेलवे में खानपान सेवाओं को सुचारु प्रबंधन में जीआरपी के सहयोग पर चर्चा की गयी। उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न शहरो से लगभग 150 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का संचलन होता है और लगभग 300 मेल एक्सप्रेस ट्रेन यहाँ से होकर गुजरती है। प्रायः मुख्य ट्रेनों में जीआरपी की एस्कॉर्ट सुविधा यात्रियों की सुरक्षा हेतु उपलब्ध रहती है। आई.आर.सी.टी.सी. के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा अवगत कराया गया की कई बार कुछ मामलो को लेकर खानपान की सेवाओं को प्रदान करने वाली टीम को परेशानियों का सामना करना पड़ता है जैसे की डिब्बों में अत्यधिक भीड़ का होना, खानपान का समान को रखने की जगह कम होना, यात्रियों की अत्यधिक मांग का दबाव एवं कुछ क्षेत्रों में अनाधिकृत वेंडर्स द्वारा निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री आदि। इसके कारण सेवा प्रदाता टीम को खान पान की सुचारु सुविधा देने में व्यवधान होता है और इसके लिए जीआरपी टीम की सहयोग की अपेक्षा की गयी है। कैटरिंग सर्विस के लाईसेंसी टीमों के सदस्यों के लिए खास वर्दी का निर्धारण किया गया है, जिसमे सेवा प्रदाता का मोबाइल नम्बर और उनका नाम भी स्पष्ट रूप से अंकित होता है। इसके अतिरिक्त सभी अधिकृत वेंडर्स को स्पेशल क्यू. आर. कोड वाले आई डी काड्र्स भी उपलब्ध कराये गए है, जिससे कि यात्रियों और जीआरपी स्टाफ को सही वेंडर्स की पहचान हो सके। आइ.आर.सी.टी.सी. के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, लखनऊ ने अवगत कराया की कुछ रेलवे सेक्शन में खान पान सेवा प्रदाताओं को अनधिकृत वेंडर्स की समस्या से झूझना पड़ता है, जिसमे मुख्यतः प्रयाग-फूलपुर, प्रयागराज-वाराणसी, बनारस-भदोही, वाराणसी-रायबरेली, झाँसी-उरई-कानपुर, झाँसी-ललितपुर, इटावा-टुंडला, देवरिया-भटनी-छपरा, खलीलाबाद-गोण्डा-बाराबंकी, हरदोई-शाहजहांपुर-बरेली खंड शामिल है। इन खंडो पर जीआरपी के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाने हेतु सुझाव दिया।

दुश्मन ड्रोन पर कहर बरपाएगा शताक्षी, 30 लाख में तैयार और रडार की भी जरूरत नहीं

कानपुर। आईआईटी कानपुर ने एआई-आधारित स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम शताक्षी विकसित किया है, जो रडार के मुकाबले बेहद सस्ता और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन्स को नष्ट करने में सक्षम है। देश को सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने एआई आधारित स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम शताक्षी विकसित किया है। यह प्रणाली डेढ़ किलोमीटर की दूरी से दुश्मन ड्रोन का पता लगा कर उसे निष्क्रिय कर सकती है। इसे तैयार करने वाले प्रोफेसर इंद्रनीला साहा ने तकनीक का पेटेंट भी दाखिल किया है। इसे भारतीय सेना के साथ साझा भी किया जा चुका है, यदि इसके ट्रायल और तकनीकी मूल्यांकन सफल रहते हैं, तो भविष्य में इसे सशस्त्र बलों में तैनात किया जा सकता है। इस प्रणाली के विकास में आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र और वर्तमान में स्काई एआई के सीईओ सर्वज्ञ शुक्ला ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि शताक्षी की लागत मात्र 25 से 30 लाख रुपये के बीच है, जो पारंपरिक रडार प्रणालियों की तुलना में काफी कम है। भारतीय सेना फिलहाल दुश्मन ड्रोन की पहचान के लिए मुख्य रूप से रडार तकनीक पर निर्भर है, लेकिन यह प्रणाली महंगी होने के साथ-साथ छोटे व जमीन के पास उड़ रहे ड्रोन को सही ढंग से पहचानने में सीमित होती है। भारत को इसके लिए इस्त्राइल जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। रडार सिस्टम की कीमत जहां कई करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है, वहीं यह स्वदेशी तकनीक कम लागत में अधिक प्रभावी समाधान उपलब्ध कराती है। कई तरह के ड्रोन किए हैं विकसित आईआईटी कानपुर की टीम ने एंटी-ड्रोन सिस्टम के अलावा विभिन्न प्रकार के ड्रोन भी विकसित किए हैं। इनमें रिकॉनिसेंस ड्रोन शामिल हैं, जो निगरानी और सर्विलांस के लिए उपयोग किए जाते हैं और अतिरिक्त पेलोड ले जा सकते हैं। इसके साथ ही अटैक ड्रोन तैयार किए गए हैं, जिन्हें जरूरत के अनुसार हथियारों से लैस किया जा सकता है। वहीं ऑपरेशनल या सुसाइड ड्रोन दुश्मन ड्रोन से टकराकर स्वयं विस्फोट कर उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि शताक्षी जैसी स्वदेशी और किफायती तकनीक भारत की सुरक्षा क्षमता को मजबूत करेंगी और साथ ही विदेशी तकनीक पर निर्भरता को भी कम करेंगी।

दुकानों से मिले 499 संरक्षित पक्षी तस्कर मौके से भागे एफआईआर अज्ञात पर

वाराणसी। 174 तोते और 325 ललमुनिया बरामद किए गए। उधर, छापा पड़ते ही कई दुकानदार शटर बंद कर मौके से भाग गए। अमर उजाला द्वारा प्रकाशित खबर का संज्ञान लेकर करीब तीन महीने बाद वन विभाग जागा और ये कार्रवाई की। प्रतिबंधित पशु पक्षियों की तस्करी के लिए कुख्यात बहेलिया टोला में बुधवार को छापा मारा गया, लेकिन विभाग की टीम तस्करों तक नहीं पहुंच सकी। दो घंटे की कार्रवाई में 499 संरक्षित पक्षी मिले, लेकिन भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी के बाद भी तस्कर भाग निकले। हैरानी की बात यह है कि जिस घर, दुकान से प्रतिबंधित पक्षी बरामद हुए, वहां वन विभाग ने किसी नामजद व्यक्ति के बजाय अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की है। लोगों ने बताया कि टीम ने केवल उन्हीं स्थानों पर हाथ डाला जहां पक्षी सामने दिख रहे थे। जिन घरों के शटर बंद मिले या जहां तस्करों के छिपे होने की आशंका थी, वहां टीम ने जांच करना जरूरी नहीं समझा। इसके चलते इलाके के बड़े तस्करों पर शिकंजा कसने का मौका हाथ से निकल गया। केवल छह दुकानों से मिले 499 प्रतिबंधित पक्षी बरामद भारतीय तोते और लालमुनिया वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित प्रजातियां हैं। अधिकारियों के अनुसार, बहेलिया टोला लंबे समय से अवैध खरीद-फरोख्त का केंद्र है। उप प्रभागीय वन अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि मौके पर 6 दुकानें खुली मिलीं, जहां अवैध रूप से प्रतिबंधित पक्षियों की बिक्री हो रही थी।

ताजा खबर...

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 23 फरवरी तथा 02, 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 प्रत्येक सोमवार को तथा गोरखपुर से 25 फरवरी तथा 04, 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 प्रत्येक बुधवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 09111 वडोदरा-गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 23 फरवरी तथा 02, 09, 16 एवं 23 मार्च, 2026 प्रत्येक सोमवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.10 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.45 बजे, सवाई माधोपुर से 04.20 बजे, गंगापुर सिटी से 05.05 बजे, भरतपुर से 07.10 बजे, आगरा फोर्ट से 07.50 बजे, टूण्डला से 09.25 बजे, शिकोहाबाद से 10.02 बजे, मैनपुरी से 11.05 बजे, फरुर्खाबाद से 12.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 16.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.30 बजे, बाराबंकी से 19.15 बजे, गोंडा से 20.40 बजे तथा बस्ती से 22.10 बजे छूटकर गोरखपुर 23.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09112 गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 25 फरवरी तथा 04, 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर से 05.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 06.07 बजे, गोंडा से 07.30 बजे, बाराबंकी से 09.00 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 10.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.25 बजे, फरुर्खाबाद से 15.10 बजे, मैनपुरी 16.37 बजे, शिकोहाबाद से 17.49 बजे, टूण्डला से 19.05 बजे, आगरा फोर्ट से 20.10 बजे, भरतपुर से 21.22 बजे, गंगापुर सिटी से 22.33 बजे, सवाई माधोपुर से 23.08 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.35 बजे, रतलाम से 04.25 बजे तथा गोधरा से 07.17 बजे छूटकर वडोदरा 08.35 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

2026 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 09195/09196 वडोदरा-मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 21 एवं 28 फरवरी तथा 07, 14, 21 एवं 28 मार्च, 2026 प्रत्येक शनिवार को तथा मऊ से 22 फरवरी तथा 01, 08, 15, 22 एवं 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 21 एवं 28 फरवरी तथा 07, 14, 21 एवं 28 मार्च, 2026 प्रत्येक शनिवार को वडोदरा से 19.00 बजे प्रस्थान कर गोधरा से 20.00 बजे, दाहोद से 20.52 बजे, रतलाम से 22.45 बजे, दूसरे दिन कोटा से 02.45 बजे, बयाना से 06.25 बजे, आगरा फोर्ट से 07.35 बजे, टूण्डला से 08.10 बजे, कानपुर सेंट्रल से 11.42 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 13.20 बजे, सुल्तानपुर से 15.35 बजे तथा वाराणसी जं. से 19.05 बजे छूटकर मऊ 20.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 22 फरवरी तथा 01, 08, 15, 22 एवं 29 मार्च, 2026 प्रत्येक रविवार को मऊ से 23.15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी जं. से 01.10 बजे, सुल्तानपुर से 03.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 05.35 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.10 बजे, टूण्डला से 10.45 बजे, आगरा फोर्ट से 11.25 बजे, बयाना से 12.30 बजे, कोटा से 15.35 बजे, रतलाम से 19.50 बजे, दाहोद से 21.13 बजे तथा गोधरा से 23.10 बजे छूटकर तीसरे दिन वडोदरा 00.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

2026 को 05 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु 09075/09076 मुम्बई सेण्ट्रल-काठगोदाम-मुम्बई सेण्ट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन मुम्बई सेण्ट्रल से 25 फरवरी, 04, 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 को तथा काठगोदाम से 26 फरवरी, 05, 12, 19 एवं 26 मार्च, 2026 को 05 फेरों के लिए निम्नवत किया जायेगा। 09075 मुम्बई सेण्ट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 25 फरवरी, 04, 11, 18 एवं 25 मार्च, 2026 को मुम्बई सेण्ट्रल से 10.55 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 11.25 बजे, वापी से 13.02 बजे, वलसाड से 13.24 बजे, सूरत से 14.17 बजे, वडोदरा से 16.15 बजे, रतलाम से 20.25 बजे, दूसरे दिन कोटा से 00.45 बजे, गंगापुर सिटी से 02.52 बजे, हिण्डौन सिटी से 03.25 बजे, भरतपुर से 05.05 बजे, मथुरा से 07.00 बजे, हाथरस सिटी से 07.44 बजे, कासगंज से 09.10 बजे, बदायूँ से 09.48 बजे, बरेली जं0 से 10.50 बजे, बरेली सिटी से 11.05 बजे, इज्जतनगर से 11.25 बजे बहेड़ी से 12.22 बजे, किच्छा से 12.40 बजे, लालकुआँ से 13.15 बजे तथा हल्द्वानी से 13.50 बजे छूटकर काठगोदाम 14.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेण्ट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी, 05, 12, 19 एवं 26 मार्च, 2026 को काठगोदाम से 17.30 बजे प्रस्थान कर हल्द्वानी से 17.52 बजे, लालकुआँ से 18.33 बजे, किच्छा से 19.09 बजे, बहेड़ी से 19.30 बजे, इज्जतनगर से 20.08 बजे, बरेली सिटी से 20.23 बजे, बरेली जं. से 20.47 बजे, बदायूँ से 21.31 बजे, कासगंज से 22.40 बजे, हाथरस सिटी से 23.50 बजे, दूसरे दिन मथुरा से 01.15 बजे, भरतपुर से 03.10 बजे, हिण्डौन सिटी से 04.05 बजे, गंगापुर सिटी से 04.45 बजे, कोटा से 06.45 बजे, रतलाम से 10.40 बजे, वडोदरा से 14.45 बजे, सूरत से 16.50 बजे, वलसाड से 17.42 बजे, वापी से 18.06 बजे तथा बोरीवली से 20.06 बजे छूटकर मुम्बई सेण्ट्रल 21.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा जी.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

फर्जी फर्म बनाकर 37 लाख का जीएसटी चुराया,3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में फर्जी दस्तावेज के जरिये फर्म रजिस्टर कर करोड़ों का फर्जी लेनदेन और 37 लाख रुपए का जीएसटी चुराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 3 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी सहित चार अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि 3 नवंबर 2025 को भगवती चरण वर्मा ने महानगर का फर्जी पता दिखाते हुए एमएस केएस इंटरप्राइजेज नाम से जीएसटी नंबर लिया था। फर्म के नाम पर करोड़ों की खरीद-बिक्री दिखाई गई थी। जांच में सामने आया कि दिए गए पते पर न तो कोई दफ्तर है, न ही फर्म का कोई अस्तित्व है। मकान मालिक ने भी इसे फर्जी बताया। विवेचना के दौरान पता चला कि दीपक नामक युवक ने साथियों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए फर्जी फर्म के जरिये करीब 4 करोड़ 70 लाख रुपए का लेनदेन किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाकर सरकार को कुल 37,52,545 रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया। जांच में सामने आया कि लेनदेन की राशि में से करीब 15 लाख रुपए चार चेक के जरिये प्रशांत तिवारी को दिए गए, जिनका उपयोग उसने घरेलू कामों में किया। कैलाश मौर्या पर फर्जी मुहर तैयार कर बैंक खाते खुलवाने और ठेज्चोरी में सहयोग का आरोप है। आरोपियों ने तेजी से पैसा कमाने के लालच में फर्जी बिजली बिल तैयार किया।

जयारोग्य में जल्द शुरू होगी बायपास सर्जरी की सुविधा

■सुपर स्पेशयलिटी में कार्डियो थैरेसिक सेवाएं प्रारंभ करने की तैयारी, भोपाल की टीम ने किया निरीक्षण

■ ग्वालियर

जयारोग्य चिकित्सालय समूह में हृदय रोगियों को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। लंबे समय से जिस बायपास सर्जरी सुविधा का इंतजार किया जा रहा था, उसे शुरू करने की दिशा में गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय प्रबंधन ने ठोस पहल कर दी है। गुरुवार को हमीदिया अस्पताल, भोपाल के कार्डियोथैरेसिक विशेषज्ञों की टीम ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद टीम ने सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल में बायपास सर्जरी शुरू किए जाने पर सहमति जताई है।

जानकारी के अनुसार जयारोग्य चिकित्सालय के कार्डियोलॉजी विभाग का शुभारंभ लगभग नौ वर्ष पूर्व हुआ था। वर्तमान में यहां एक अत्याधुनिक कैथलैब संचालित है, जिसमें प्रतिमाह करीब 400 मरीजों की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर प्रत्यारोपण सहित अन्य प्रक्रियाएं की जाती हैं। मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या के कारण कैथलैब पर कार्यभार भी बढ़ता जा रहा है।

हालांकि ऐसे कई गंभीर हृदय रोगी, जिन्हें बायपास सर्जरी की आवश्यकता होती है, उन्हें अब तक अन्य शहरों के लिए रेफर किया जाता रहा है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शासन की मंशा के अनुरूप अब महाविद्यालय प्रबंधन ने स्थानीय स्तर पर ही बायपास सर्जरी सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

भोपाल की टीम लाएगी उपकरण और करेगी लाइव सर्जरी

बायपास सर्जरी प्रारंभ करने के लिए प्रारंभिक चरण में भोपाल के हमीदिया अस्पताल की विशेषज्ञ टीम अपने उपकरण, दवाएं और आवश्यक संसाधन साथ लेकर आएगी। टीम द्वारा पहले चिकित्सकों की एक कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसमें कार्डियोलॉजिस्ट और संबंधित विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस दौरान बायपास सर्जरी का लाइव प्रदर्शन भी किया जाएगा, जिससे स्थानीय चिकित्सकों को प्रशिक्षण और अनुभव प्राप्त होगा।

निरीक्षण के दौरान भोपाल से आए कार्डियोथैरेसिक विभाग के प्रो. डॉ. सागर मांडिया एवं डॉ. ललित ने नव निर्मित कार्डियो थैरेसिक विभाग का अवलोकन किया। हालांकि विभाग में तैयार की गई ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्थाएं अधूरी पाई गईं। इसके बाद टीम ने सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया और वहीं से बायपास सर्जरी सेवाएं प्रारंभ करने की सहमति प्रदान की।

कार्डियो थैरेसिक विभाग में पदों की स्वीकृति लंबित

कार्डियोलॉजी विभाग के तृतीय तल पर कार्डियो थैरेसिक यूनिट का निर्माण तो करा लिया गया है, लेकिन अब तक आवश्यक सर्जन, एनेस्थेटिस्ट, नर्सिंग स्टॉफ और तकनीकी कर्मचारियों के पद स्वीकृत नहीं हो सके हैं। उपकरणों की भी पूर्ण उपलब्धता नहीं है। इसी कारण अब तक बाईपास सर्जरी शुरू नहीं हो पाई थी।

इनका कहना है

गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय पढ़ाई के साथ ही रिसर्च का भी सेन्टर है। बाईपास सर्जरी शुरू होने से मरीजों को तो लाभ मिलेगी ही। साथ ही चिकित्सा छात्र-छात्राओं को भी काफी लाभ मिलेगा।

डॉ. आरकेएस धाकड़
अधिष्ठाता गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय

संघ शताब्दी पर बनी फिल्म 'शतक' आज होगी रिलीज

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बनी फिल्म 'शतक' 20 फरवरी को पूरे देश के साथ ही ग्वालियर के सिनेमाघरों में भी रिलीज होगी। फिल्म संघ की सौ वर्षों की यात्रा, उसके विचार और सामाजिक योगदान को केंद्र में रखकर बनाई गई है। फिल्म की टैगलाइन 'ना रुके, ना थके, ना झुके' इसी भाव को दर्शाती है। फिल्म के निर्देशक आशीष मल्ल, सह निर्माता आशीष तिवारी, फिल्म के प्रोड्यूसर वीर कपूर हैं। ग्वालियर में यह फिल्म डीबी मॉल के आईनोक्स में प्रातः 10:10 बजे, दोपहर 12:40 बजे, सायं 7:45 बजे एवं रात्रि में 10:15 बजे और फन सिनेमा में दोपहर 3:25 बजे, सायं 7:25 बजे, रात्रि 9:55 बजे प्रदर्शित की जाएगी। जबकि पीवीआर केशर टॉवर में सुबह 9 बजे, दोपहर 2:20 बजे एवं सायं 4:50 बजे का शो रहेगा।

'स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है'

■ ग्वालियर

केआरजी महाविद्यालय में रेडक्रॉस समिति द्वारा बीआईएमआर अस्पताल के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बिरला अस्पताल की स्त्री रोग विषेषज्ञ डॉ. स्निग्धा भारद्वाज ने छात्राओं को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर बिरला अस्पताल की टीम द्वारा ब्लड, शुगर, बीपी इत्यादि की जांच कर तुरन्त रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई गई। बड़ी संख्या में महाविद्यालयीन स्टाफ तथा छात्राओं ने उपस्थित होकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय मुरार ग्वालियर के क्लीनिकल सायकोलोजिस्ट डॉ. क्षितिज मोदी ने मानसिक तनाव पर अपने व्याख्यान में मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के नियम छात्राओं को बताए। साथ ही युवा पीढ़ी में मानसिक तनाव के कारण बढ़ते डिप्रेशन, आत्महत्याओं की घटनाओं आदि पर कैसे नियंत्रण करें, विस्तार से चर्चा की। एंग्जाईटी का बढ़ा हुआ रूप बड़ी मानसिक समस्या को जन्म दे सकता है। इससे बचाव विविध समाधान डॉ. मोदी द्वारा बताए गए। इस अवसर पर आयोजन की अध्यक्ष व संरक्षक प्राचार्या डॉ. साधना श्रीवास्तव ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं। मानसिक समस्या से ग्रसित होने के कारण हम परिचित नहीं हो पाते हैं और समस्या बढ़ती जाती है।

संचार, तनाव और समय प्रबंधन पर विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक मार्गदर्शन

■कृषि महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय अंतर्गत कृषि महाविद्यालय में आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में संचार कौशल, तनाव प्रबंधन एवं समय प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कम्युनिकेयर ट्रेनिंग एंड कंटेंट सॉल्यूशन के विशेषज्ञ संजीव राणे एवं कुशल राउत ने प्रभावी संवाद की तकनीक, कार्यस्थल पर तनाव नियंत्रण के उपाय तथा समय के सुनियोजित उपयोग के व्यावहारिक सूत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि केवल शैक्षणिक उपलब्धियां पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि सफल करियर के लिए व्यवहारिक दक्षता, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान उदाहरणों और सहभागिता आधारित गतिविधियों के माध्यम से विषयों को सरल बनाया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से अनुसूचित जाति वर्ग के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया।

अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. वाई. पी. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करते हैं। इस अवसर पर डॉ. एच. एल. खपेड़िया, डॉ. मनोज कुमार तरवरिया, डॉ. देवेंद्र कुमार इनवाती, डॉ. दीपक वर्मा, डॉ. रविंद्र सोलंकी एवं हरिमोहन जाटव सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

किशोरावस्था की भ्रांतियों को दूर किया

ग्वालियर। ऋषि गालव पब्लिक स्कूल ग्वालियर द्वारा 'वेलनेस फॉर एवरी गर्ल' विषय को लेकर कक्षा 6 से 12वीं तक की छात्राओं के लिए जागरूकता सत्र का आयोजन आरोग्य भारती के तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर डॉ. दिव्या दीक्षित ने किशोरावस्था में आने वाली चुनौतियों को लेकर छात्राओं को संबोधित किया और उनकी भ्रांतियों को दूर किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अरविंद सिंह जादौन एवं उप-प्रधानाचार्या शिखा चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे।

ट्रिपल आईटीएम में उन्नत निर्णय-निर्धारण पर एफडीपी संपन्न

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा निदेशक प्रो. एस.एन. सिंह के नेतृत्व में 'एडवांस्ड मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन-मेकिंगः फजी एवं ग्रे तकनीकें प्रबंधन अनुसंधान' विषय पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया। कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रो. गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। संयोजक डॉ. मनोज कुमार दास एवं सह-संयोजक डॉ. चेतन्य सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं उद्योग विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की। एफडीपी के दौरान बहु-मापदंड निर्णय-निर्धारण (एमसीडीएम) की उन्नत तकनीकों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। इनमें आईएसएम, बीडब्ल्यूएम, एएचपी, डेमाटेल, फजी अप्रोच, प्रोमेथी, इलेक्ट्रे, टॉपसिस, ग्रे डेमाटेल, डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस (डीईए), ग्रे सिस्टम्स थ्योरी, जीआईएनए तथा फजी एएचपी जैसे विषय शामिल रहे। प्रतिभागियों ने केस स्टडी, व्यावहारिक अभ्यास और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से शोध एवं प्रबंधन समस्याओं के समाधान की गहन समझ विकसित की। समापन सत्र में सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

डिजिटल युग की चुनौतियों पर मंथन आज से

■ ग्वालियर

सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा 20 एवं 21 फरवरी को सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह संगोष्ठी पीएम-उषा के सहयोग से आयोजित होगी। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गालव सभागार में शुक्रवार को प्रातः 10.30 बजे से किया जाएगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु प्रो.जेएन गौतम करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर उपस्थित रहेंगे,जबकि मुख्य वक्ता के रूप में आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय के प्रो.धर्मेश धवांकर अपने विचार रखेंगे। संगोष्ठी का उद्देश्य सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और मानव जीवन पर उसके बहुआयामी असर पर गहन विमर्श करना है। इसमें सामाजिक संरचना में बदलाव, लोकतांत्रिक भागीदारी, डिजिटल सक्रियता, शिक्षा, संस्कृति, मानसिक स्वास्थ्य और निजता जैसे विषयों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में सोशल मीडिया और समाज, युवाओं पर प्रभाव, नैतिक चुनौतियां, फेक न्यूज, डिजिटल जिम्मेदारी तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे समकालीन मुद्दों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की है आधारशिला : कुशवाह

■प्राचीन से आधुनिक युग तक का सफर विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

■ ग्वालियर

जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की आधारशिला रहा है। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आधुनिक युग में जैवप्रौद्योगिकी,माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे शोध मानव जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा में योगदान देना चाहिए। यह बात गुरुवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर के कुलगुरु प्रो.राकेश कुशवाह ने स्कूल ऑफ स्टडीज इन बॉटनी एंड माइक्रोबायोलॉजी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि कही। डीआरडीई के पूर्व निदेशक डॉ.डीके दुबे, कुलगुरु डॉ.राजकुमार आचार्य, प्रो.एमके गुप्ता, डॉ.सपन पटेल मंचासीन रहे। प्रो.एमके गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा बताई। विशिष्ट अतिथि डॉ. डीके दुबे व जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसी दौरान जीवाजी विश्वविद्यालय और महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय के बीच एमओयू साइन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें 25 से अधिक शोध पत्रों का वाचन किया गया। 80 पोस्टर प्रजेंटेशन, 60 ओरल प्रजेंटेशन, 8 आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए। ओरल प्रजेंटेशन में मीनाक्षी श्रीवास्तव प्रथम स्थान पर रहीं। द्वितीय स्थान पर मुस्कान भाटिया और तीसरे स्थान पर अपूर्वा गुप्ता रहीं।

नो सिंगल यूज प्लास्टिक का संदेश देने तपोवन में चला विशेष अभियान

■ ग्वालियर

सामाजिक वानिकी वृत्त ग्वालियर के अंतर्गत आने वाली तपोवन रोपणी में बुधवार को रंगों ने प्रकृति का उत्सव रच दिया। नगर निगम और वन विभाग की ओर से आयोजित हरित तपोवन वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में करीब 50 कलाकारों ने हिस्सा लिया। इस रचनात्मक पहल में दीवारों पर वन्य जीवों और हरियाली की मनमोहक आकृतियां उकेरी गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएफओ मीणा अवधेश कुमार शिवकुमार ने कहा कि कला ही सम्मान दिलाती है। इसके बाद सभी कलाकारों को वन विभाग की तरफ से प्रोत्साहन राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वन विभाग की टीम द्वारा यहां आए सभी कलाकारों का विशेष सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुरेश कुमार अहिरवार (सहायक वनसंरक्षक), देवेंद्र निम (कंसलटेंट नगर निगम ग्वालियर), नवीन राणा (कंसलटेंट नगर निगम ग्वालियर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विशेष कर्तव्य अधिकारी शैलजा ठाकुर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। एमएलबी शासकीय विधि महाविद्यालय में उच्चशिक्षा विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके सचदेवा, विभाग अध्यक्ष डॉ. अंजुली शर्मा, सहायक प्राध्यापक डॉ. नरेंद्र सिंह राणा, डॉ. अनूप कुमार सिंह, डॉ. चंद्रकान्त लवानिया, डॉ. नुशरत अली रिजवी, डॉ. आनन्द मिश्रा, डॉ. कृष्ण पाल सिंह चौहान, डॉ. जावेद अली आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए मास्टर ट्रेनर विभा माथुर उपस्थित रही। कार्यशाला के दौरान विभा माथुर ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों एवं प्रोफेसर को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान किया, उन्होने तनाव प्रबंधन, आत्म सम्मान और सकारात्मक सोच के महत्व के बारे मे भी जानकारी दी।

पुस्तकालय सूचीकरण के लिए बताई आधुनिक तकनीक

ग्वालियर। एमएलबी महाविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय सोर्स डिस्क्रिप्शन इन लिंक्ड डाटा टेक्नोलॉजी ए चैलेंजेस फॉर कैटलॉगिंग रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राकेश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, विजयाराजे कन्या महाविद्यालय, ग्वालियर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा पुस्तकालय सूचीकरण और उसमें उपयोग होने वाली आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने ग्रंथसूची विवरण की समयरेखा एवं उसमें हुए सभी मुख्य आविष्कार जैसे कि आईएसवीडी, मार्क, आरडीए, बिबफ्रेम आदि के महत्व को विस्तारपूर्वक रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीरजा वर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता वर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव, प्रो. अरविंद शर्मा विशेषरूप से उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव का समापन

गायन में राग ही ध्यान, दृष्टि और सृष्टि है : सान्याल

■ ग्वालियर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में प्रयास शिक्षा साहित्य कला व संगीत पीठ समिति के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव के समापन दिवस पर विषय विशेषज्ञ के रूप में वाराणसी से आए पद्मश्री ऋत्विक सान्याल ने कहा कि गायन में ध्रुपद का विशेष स्थान है और इसके प्रवर्तक के रूप में बैजू बावरा का नाम सर्व विदित है। बैजू अपने पदों के माध्यम से आज भी हमारे दिल में जीवंत हैं। संगीत में स्वर, लय, रग ताल का वर्णन करना सीखें। स्वर से स्वर दर्शन की ओर बढ़ने की कोशिश करें। संगीत या गायन में यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि राग ध्यान है, राग दृष्टि है और राग ही सृष्टि है।

इस दौरान श्री सान्याल ने छात्र-छात्राओं को राग तोड़ी में बंदिश भी सिखाई, जिसके बोल थे पंछिन मणि गरुण गजमणि ऐरावत...। उनके साथ पखावज पर आदित्य दीप ने सधी हुई संगति की। कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, विशिष्ट अतिथि छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राकेश कुशवाह थे।

राग शुद्ध सारंग में धमार

प्रस्तुतियों के अगले क्रम में पद्मश्री ऋत्विक सान्याल ने राग शुद्ध सारंग से आलापचारी से शुभारंभ किया। उसके बाद धमार की आकर्षक बंदिश पेश की, जिसके बोल थे गोकुल राजकुमार...। राग शुद्ध सारंग कार्यक्रम में संस्कार भारती के प्रांत पदाधिकारी मोतीलाल कुशवाह, प्रदीप दीक्षित, कार्य परिषद सदस्य चंद्रप्रताप सिकरवार, अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के उप निदेशक शेखर कर्हाड़कर वरिष्ठ संगीतज्ञ उमेश कंपूवाले, प्रयास संस्था की ओर से प्रो. नीरज झा विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा कुलसचिव अरुण सिंह चौहान और सांस्कृतिक समिति समन्वयक डॉ. पारुल दीक्षित भी मौजूद थीं।

सांगीतिक प्रस्तुतियों के क्रम में पहली प्रस्तुति शहर के युवा कलाकार आदित्य शर्मा की रही। उन्होंने राग भीम पलासी में ध्रुपद की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसके बोल थे कुंजन में रचयो रास अद्भुत गत लिए...। इसके बाद आलाप जोड़ झाला पेश किया। उनके साथ पखावज पर जयवंत गायकवाड़ ने, तानपुरे पर देवेश और वैष्णवी ने संगति की।

अब सरल हुई फार्मासिस्ट के पंजीकरण की प्रक्रिया

■ ग्वालियर

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में डिवाइन इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फार्मेसी संस्थान में दी इम्प्लीमेंटेशन ऑफ आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम फॉर फार्मेसी इंस्टीट्यूशन्स विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुधीर भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं संस्थागत अनुशासन को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जसु भाई चौधरी, उपाध्यक्ष, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय जैन, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद ने बताया कि परिषद द्वारा प्रत्येक फार्मासिस्ट के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं ऑनलाइन बना दिया गया है। विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज उपमन्यु,सदस्य, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया,प्रोवाइस चांसलर, सेजे विश्वविद्यालय, भोपाल ने पीसीआई पोर्टल एवं इस प्रणाली के तकनीकी क्रियान्वयन में हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंवदा शर्मा ने किया।

संपादकीय

राहुल को मारने के खतरनाक मंसूबे

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पांच महीने में दूसरी बार जान से मारने की धमकी सरेआम दी गई है। पिछले साल सितंबर में केरल के पूर्व अभाविप नेता पिंटू महादेव ने एक लाइव टीवी विमर्श में राहुल गांधी की हत्या की धमकी दी थी और अब फरवरी में फिर से राहुल गांधी को ऐसी ही एक और धमकी करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि धमकी बाकायदा वीडियो बनाकर प्रसारित की गई है। धमकी देने वाला व्यक्ति सरेआम कह रहा है कि राहुल गांधी को घर में घुसकर मारूंगा और अपना दुस्साहस भी दिखा रहा है कि मुझे जेल भेजना हो तो भेज दो। क्योंकि वो भी जानता है कि उसका बाल भी बांका नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले राहुल को धमकी देने वाले पिंटू महादेव के खिलाफ भी कांग्रेसियों ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, साथ ही 29 सितंबर 2025 को एक पोस्ट में लिखा था कि यह कोई आकस्मिक टिप्पणी या अतिशयोक्ति नहीं है। यह न्याय की लड़ाई में हर भारतीय के साथ खड़े नेता को दी गई एक सोची-समझी और निर्मम जान से मारने की धमकी है। राहुल को विभिन्न अवसरों पर दी गई कई धमकियों में से यह नवीनतम धमकी भाजपा के इरादों पर गंभीर सवाल खड़े करती है- इस के बाद कांग्रेस ने पूछा था कि क्या यह राहुल गांधी के खिलाफ रची जा रही कोई बड़ी, भयावह साजिश है? क्या भाजपा आपराधिक धमकियों, हिंसा और यहां तक कि जान से मारने की धमकियों की राजनीति का समर्थन करती है? क्या भाजपा विपक्ष के नेता (जो संवैधानिक पद पर हैं) और अन्य विपक्षी नेताओं के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है, जो उसके कुशासन के खिलाफ आवाज उठाते हैं? अपने बयान में कांग्रेस ने जो सवाल उठाए थे, वो काफी गंभीर हैं, क्या यह राहुल गांधी के खिलाफ कोई बड़ी साजिश का हिस्सा है और क्या भाजपा यानी मोदी-शाह की इसमें सहमति है। हालांकि कांग्रेस की शिकायत के बावजूद नेता प्रतिपक्ष की जान लेने की धमकी देने वाले इस व्यक्ति पर कोई कठोर कार्रवाई की गई हो, ऐसी खबर ज्ञात नहीं है। बहरहाल, राहुल को मिली ताजा धमकी पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इसे देश में एक और गोडसे तैयार करने जैसा बताया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि आरएसएस-भाजपा का गलियारा श्गोडसे फैक्ट्रीय है। राहुल गांधी और 25 सांसदों के खिलाफ तथाकथित करणी सेना द्वारा जारी की गई धमकी कोई छिटपुट घटना नहीं है। यह एक सोची-समझी और धूर्त योजना का हिस्सा है। सबसे पहले, किरण रिजीजू ने सार्वजनिक रूप से झूठ बोला और देश को गुमराह किया कि कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा में ओम बिड़ला को गाली दी। फिर, विभिन्न मंचों पर भाजपा सांसदों ने एक समान बात दोहराना शुरू कर दियारू कि राहुल गांधी श्भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतराश हैं। यह विपक्ष को बदनाम करने और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों- विशेष रूप से राहुल गांधी- के खिलाफ हिंसा को वैध ठहराने का एक सुनियोजित अभियान है। कट्टरपंथ का यही तरीका हैरूबे एक झूठ गढ़ते हैं, उसे बार-बार दोहराकर फैलाते हैं, राजनीतिक सत्ता के बल पर उसे वैधता प्रदान करते हैं, और तब तक उसका प्रसार करते हैं जब तक कि उनके अनुयायी घृणा और हिंसा के लिए उकसाए न जाएं। इसी तरह उस समय गोडसे का निर्माण हुआ था। इसी तरह आज एक और गोडसे को उकसाया जा रहा है। पवन खेड़ा ने पूरे हालात का सही चित्र खींचा है कि आज एक और गोडसे को उकसाया जा रहा है। क्योंकि 30 जनवरी 1948 से पहले गांधीजी के खिलाफ भी कई बेबुनियाद आरोप लगाकर उन्हें हिंदूविरोधी दिखाया गया था, जिसके बाद दक्षिणपंथी लोगों ने गांधीजी की हत्या की साजिश रची और नाथूराम गोडसे ने इस घृणित काम को अंजाम दिया। संघ और उससे जुड़े लोग अब भी इसे हत्या न कहकर गांधी वध कहते हैं। शब्दों के इस हेरफेर में भी बड़ी चालाकी है। वध और हत्या दोनों ही किसी के प्राण लेने की क्रियाएं हैं, लेकिन वध आमतौर पर न्याय, धर्म या समाज की भलाई के लिए किसी दुष्ट या अत्याचारी को मारने को कहते हैं (जैसे- कंस वध, महिषासुर वध) वध को नैतिक आधार दिया गया है। जबकि हत्या किसी निर्दोष, निहत्थे या सामान्य व्यक्ति को स्वार्थ, द्वेष या आपराधिक भावना से जान से मारना है। अब सोचिए किस चालाकी से गांधी वध शब्द का इस्तेमाल कर संघ गांधीजी को अत्याचारी या दुष्ट बताता है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भले ही हर साल 30 जनवरी को मोदी राजघाट जाएं, लेकिन गोडसे का महिमामंडन करने वालों को आज तक सजा नहीं मिली है। याद कीजिए प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने गोडसे की तारीफ की थी, तो प्रधानमंत्री मोदी केवल इतना ही कह पाए थे कि उन्हें दिल से माफ नहीं करूंगा। लेकिन इससे ज्यादा मोदी कुछ नहीं कर पाए। अब राहुल गांधी के खिलाफ माहौल बनाने वालों पर भी मोदी सरकार कोई कार्रवाई करेगी, इसकी कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल इस बार बजट सत्र में राहुल गांधी समेत समूचा विपक्ष मोदी सरकार पर काफी भारी पड़ा है। पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब से लेकर एपस्टीन फाइल्स तक मोदी पूरी तरह घिर चुके हैं। इन मुद्दों पर न राहुल गांधी को सदन में बोलने दिया गया, न मोदी ने लोकसभा में आने की हिम्मत दिखाई। ऊपर से इल्जाम लगा दिया कि मोदी की जान को कांग्रेस की महिला सांसदों से खतरा था। इस बारे में खुद ओम बिड़ला ने ही बयान दिया था।

क्या 2027 में भी आम आदमी पार्टी पर पंजाबियों को भरोसा रहेगा?

> पंजाब के चुनावी इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब एक ही पार्टी के 92 उम्मीदवार, वह भी ऐसी पार्टी, जिसकी लीडरशिप को किसी भी तरह से परखा नहीं गया था, जीत कर विधायक बने। इस तरह पंजाब में आप की सरकार बनी और लोगों को उम्मीद होने लगी कि जल्द ही उनकी परेशानियां हल हो जाएंगी और आप की गारंटी पूरी होने से उनकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी।क्योंकि आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 22 के चुनाव से पहले पंजाब के लोगों को कई गारंटियां दीं और कई वादे किए थे। आप सरकार ने जल्द ही लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का अपना वादा पूरा किया और दावा किया कि आप सरकार की वजह से पंजाब के 80 प्रतिशत लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। लेकिन बाकी गारंटियां और वादे, जिसमें महिलाओं को 1000 रुपए प्रति महीना देना, बेअदबी के मामलों में 24 घंटे में इंसाफ, 3 महीने में नशा खत्म करना।

इकबाल सिंह चन्नी

2022 के विधानसभा चुनाव में पंजाबियों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व पर बहुत भरोसा जताया और उसके उम्मीदवारों को रिकॉर्ड संख्या में जिताया। पंजाब के चुनावी इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब एक ही पार्टी के 92 उम्मीदवार, वह भी ऐसी पार्टी, जिसकी लीडरशिप को किसी भी तरह से परखा नहीं गया था, जीत कर विधायक बने। इस तरह पंजाब में आप की सरकार बनी और लोगों को उम्मीद होने लगी कि जल्द ही उनकी परेशानियां हल हो जाएंगी और आप की गारंटी पूरी होने से उनकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी।क्योंकि आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 22 के चुनाव से पहले पंजाब के लोगों को कई गारंटियां दीं और कई वादे किए थे। आप सरकार ने जल्द ही लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का अपना वादा पूरा किया और दावा किया कि आप सरकार की वजह से पंजाब के 80 प्रतिशत लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। लेकिन बाकी गारंटियां और वादे, जिसमें महिलाओं को 1000 रुपए प्रति महीना देना, बेअदबी के मामलों में 24 घंटे में इंसाफ, 3 महीने में नशा खत्म करना, वी.आई.पी. कल्चर खत्म करना, भ्रष्टाचार खत्म करके सरकारी खजाने में सालाना 34,000 करोड़ रुपए जमा करना, रेत माफिया को खत्म करके 20,00 करोड़ रुपए तथा शराब पॉलिसी के जरिए 20,000 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा करके पंजाब की आर्थिक हालत सुधार कर पंजाब को कर्ज के जाल से बाहर निकालना, सेहत और शिक्षा व्यवस्था को नंबर 1 पर लाना, कानून व्यवस्था सुधारने और पंजाब में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाकर युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करने और विदेश जाने की जरूरत खत्म करने जैसे वादे किए गए थे। भगवंत मान सरकार इनमें से ज्यादातर गारंटियां और वादे पूरे करने में नाकाम रही, हालांकि युवाओं को सरकारी नौकरियां देने में काफी हद तक सफल रही लेकिन विपक्ष यह भी सवाल उठाता है कि सरकार यह क्यों नहीं बताती कि इन 4 सालों में कितने कर्मचारी रिटायर हुए हैं। सरकार के ये आंकड़े जारी न करने की वजह से विपक्ष का दावा है कि रिटायरमैंट दर 5 से 9 प्रतिशत है और आरोप है कि आप सरकार ने उतने युवाओं को नौकरी नहीं दी, जितने रिटायर हुए हैं।

इन्हीं वजहों से 2 साल बाद, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान आप को 22 के मुकाबले बहुत कम रिस्पॉन्स मिला। इन चुनावों में आप का वोट शेयर 41 से घटकर करीब 26 प्रतिशत रह गया और पार्टी के सिर्फ 3 उम्मीदवार ही जीत पाए, जबकि आप के 2 उम्मीदवार आजाद के तौर पर चुनाव जीतने में कामयाब रहे। इसके अलावा, कुछ ही महीने बाद 2022 में भगवंत सिंह मान अपने ही चुनाव क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान से हार गए। इन चुनावों के नतीजों से सीख लेकर आप ने आत्ममंथन शुरू किया और पार्टी के काम करने के तरीकों में भी बदलाव किए। उसने कई तरह के कैपेन भी चलाए। इनमें पंजाब को एक मॉडल राज्य के तौर पर पेश करना, रैवेन्यू डिपार्टमैंट पर शिकंजा कसना, बुलडोजर चलाना, महिलाओं को 1000 रुपए समेत बाकी गारंटियां और वादे पूरे करने का भरोसा दिलाना, पार्टी में अनुशासन लाना और अब ड्रग्स के खिलाफ मुहिम के अलावा और भी कई कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि इसी भरोसे की वजह से पार्टी को पिछले दिनों हुए उपचुनाव और स्थानीय चुनावों में कामयाबी मिली लेकिन इन जीतों को विधानसभा चुनाव जीतने की गारंटी नहीं माना जा सकता, क्योंकि अगर पंजाब के पिछले राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह साफ हो जाता है कि पंजाब के लोग भरोसा करने में तो माहिर होते हैं लेकिन जब उनके भरोसे पर थोड़ी-सी भी चोट लगती है, तो वे भरोसा छोड़ भी देते हैं, जिसके 2 हालिया उदाहरण हमारे सामने हैं। पहला, अकाली-भाजपा सरकार का बदलना। हालांकि पंजाबियों को अकाली-भाजपा सरकार के किए गए विकास से कोई एतराज नहीं था लेकिन धार्मिक मामलों में की गई गलतियों और ड्रग्स नियंत्रण के मुद्दे पर पंजाबियों का विरोध झेलना पड़ा, जिसकी वजह से अकाली दल और भाजपा को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह, कांग्रेस सरकार, जो ड्रग्स खत्म करने, किसानों का कर्ज माफ करने और विकास के वादे की वजह से सरकार बनाने में कामयाब हुई थी, उसे भी पंजाबियों ने 2022 में बाहर कर दिया। लेकिन आप की सरकार इन तीनों पार्टियों से ज्यादा और बड़े वादे करके आगे आई थी। अब पंजाबी फिर से सोचने लगे हैं कि किस पार्टी ने पंजाबियों से किए वादे पूरे किए। इसलिए, अब आप पर दी गई गारंटियों और वादे पूरे करने का बोझ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। अगर पंजाबियों की सोच ऐसी ही रही और आप गारंटियां और वादे पूरे नहीं करती, तो पंजाबियों की सोच आप के लिए चुनौती बन सकती है और पार्टी के लिए 27 के विधानसभा चुनाव में पंजाबियों का 22 वाला भरोसा हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

जन आंदोलन से छिटपुट विरोध तक, ट्रेड यूनियनवाद का बदलता चेहरा

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्राय: बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

कमल मदीशेट्टी

12 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच द्वारा बुलाया गया भारत बंद संगठित श्रम की स्थायी ताकत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी बंद के रूप में प्रस्तुत किया गया था। वास्तव में, इस दिन ने यह दिखाया कि राष्ट्रीय प्रभाव कितना कम हो गया है। यूनियन नेताओं ने बड़े पैमाने पर भागीदारी का दावा किया, लेकिन कई राज्यों से रिपोर्टों में अधिकांश शहरों में सामान्य व्यावसायिक गतिविधि, कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन का संचालन और केवल छिटपुट औद्योगिक व्यवधानों का वर्णन किया गया। कुछ ही इलाकों को छोड़कर, जहां यूनियनों के घने राजनीतिक और संस्थागत नैटवर्क हैं, दैनिक जीवन सामान्य रूप से चलता रहा। यह परिणाम कुछ गहरा दर्शाता है रू भारत का श्रम बाजार लंबे समय से अनौपचारिकता से आकार लेता रहा है और यह पैटर्न आज भी मजबूती से बना हुआ है। कामगारों का बहुत बड़ा हिस्सा, लगभग 85-90 प्रतिशत, अनौपचारिक रोजगार व्यवस्था में बना हुआ है, जिसमें औपचारिक फैक्टरी नौकरियों से जुड़ी सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता नहीं है। साथ ही, हाल के श्रम बल सर्वेक्षण दिखाते हैं कि अधिकांश रोजगार प्राप्त व्यक्ति स्व-रोजगार वाले हैं, न कि नियमित वेतनभोगी, जो पारंपरिक यूनियनकृत कार्यबल की सीमितता को रेखांकित करता है। काम के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र सेवाओं, छोटे उद्यमों, ठेका व्यवस्थाओं और प्लेटफॉर्म-आधारित गिग रोजगार में हैं। ऐसे परिदृश्य में, पारंपरिक यूनियन मॉडल, जो बड़े कार्यस्थलों और दीर्घकालिक सामूहिक सौदेबाजी पर आधारित है, कार्यबल के केवल सीमित हिस्से को छूता है। सामान्य नागरिकों के लिए, ऐसी हड़तालें अक्सर एकजुटता की बजाय असुविधा और आर्थिक नुकसान में बदल जाती हैं। यात्रियों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है, छोटे व्यवसाय एक दिन की कमाई खो देते हैं और आवश्यक सेवाएं विलंबित हो जाती हैं। दैनिक मजदूरों और ठेका कामगारों के लिए भागीदारी का मतलब आय खोना होता है। अस्पताल, परीक्षाएं और नियमित लेनदेन बाधित हो जाते हैं। बंद, जो कभी लोकतांत्रिक जुटाव का नाटकीय साधन माना जाता था, अब रोजमर्रा के जीवन में थोपी गई रुकावट के रूप में अधिक देखा जाता है। यूनियनों और व्यापक जनता के बीच बढ़ती खाई के कई कारक हैं। रोजगार संरचनाएं यूनियन रणनीतियों से कहीं अधिक तेजी से विकसित हुई हैं। अनौपचारिक और गिग कामगार पारंपरिक संगठन ढांचों में आसानी से फिट नहीं होते। यूनियन नेतृत्व अक्सर विरासती क्षेत्रों और सार्वजनिक उद्यमों में केंद्रित रहता है, जहां संस्थागत लाभ मजबूत है लेकिन प्रतिनिधित्व की चौड़ाई संकरी है। हड़ताल की मांगें अक्सर सुधारों का विरोध या निजीकरण का विरोध करने पर केंद्रित होती हैं, बिना वित्तीय रूप से व्यवहार्य या प्रशासनिक रूप से विश्वसनीय विकल्पों के। यह प्रतिक्रियावादी रुख बदलाव के प्रतिरोध का आभास दे सकता है बजाय रचनात्मक जुड़ाव के। वैश्विक व्यापार पर्यावरण तेजी से तनावपूर्ण हो रहा है, संरक्षणवादी प्रवृत्तियां फिर से उभर रही हैं और आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं। फिर भी भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों की एक श्रृंखला पूरी की है और खुद को विनिर्माण और सेवाओं के लिए तेजी से विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। जब सीमा-पार वाणिज्य अधिक अनिश्चित हो रहा है, भारत की नई व्यापार साझेदारियां हासिल करने की क्षमता अवसर और जिम्मेदारी दोनों दर्शाती है। देश इस औद्योगिक मोड़ पर चूक नहीं सकता, चीन को 3 दशक पहले इसी तरह का अवसर पकड़कर विश्व का कारखाना बनते देखने के बाद, निरंतर सुधारों और वैश्विक एकीकरण के माध्यम से। जैसे-जैसे भारत मेक इन इंडिया जैसी पहल आगे बढ़ता है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में गहरी एकीकरण की तलाश करता है, कामगार कल्याण, कौशल, उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा के प्रश्न और अधिक केंद्रीय हो जाते हैं। लेकिन एक आधुनिक, वैश्विक रूप से जुड़ी अर्थव्यवस्था में वैधता गतिविधि रोकने की क्षमता पर कम और सुधारों को जिम्मेदारी से आकार देने की क्षमता पर अधिक निर्भर करती है। ट्रेड यूनियनों को अपनी नैतिक सत्ता मजबूत करने के लिए आध्यक उदारीकरण से विस्तृत प्रस्तावों के साथ जुडना चाहिए, कौशल विकास, लाभों की पोर्टेबिलिटी, कार्यस्थल सुरक्षा और विवाद समाधान पर, बजाय अधिकतमवादी बंदों पर निर्भर रहने के। ट्रेड यूनियनों के सामने रणनीतिक विकल्प है। वे पुनर्मूल्यांकन कर सकते हैं, आगे देखने वाली मुद्रा अपना सकते हैं और राष्ट्रीय विकास में भागीदार बन सकते हैं, कामगार गरिमा की रक्षा करते हुए। या वे सिकुड़ते समूहों को जुटाने वाले प्रतीकात्मक बंदों के साथ जारी रह सकते हैं।

असम में विपक्षी दलों को तोड़ने की कोशि

> मतदाता सूचियों में गैर-कानूनी घुसपैठियों के नाम नहीं होने चाहिए। इसी तर्क पर वे असम को छोड़कर हर राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का समर्थन कर रही है। क्यों? इसका जवाब किसी को हैरान नहीं करना चाहिए, जो इस बात में है कि असम में दस लाख से ज्यादा हिंदू हैं जो यह प्रमाण नहीं दे पा रहे हैं कि वे भारत के नागरिक हैं। इन हिंदुओं में से ज्यादातर भाजपा के मतदाता आधार हैं, और इसलिए वह असम में एसआईआर का सामना करने की हालत में नहीं है। असम में 2019 के नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) का आंकड़ा खुद ही सब कुछ बता देता है। इसने अंतिम सूची से 19 लाख से ज्यादा लोगों को बाहर कर दिया था, उनमें से सिर्फ लगभग 7 लाख मुस्लिम थे। बाहर किए गए लोगों में लगभग 60,000असमी हिंदू भी थे। आंकड़े में वे लोग थे जिन्हें 1971 की कट-ऑफ तारीख तक अपनी नागरिकता साबित करने में मुश्किल हुई। अगर असम में एसआईआर किया गया होता, तो भाजपा हार जाती, और उसके हिंदू समर्थन आधार सहित सभी गैर-नागरिक बाहर हो जाते। इसे आंकड़े में ही साफ देखा जा सकता है, जो शायद एक कारण हो सकता है, जिसके लिए केंद्र में भाजपा नेतृत्व ने ईसीआई पर असम में एसआईआर न करने के लिए दबाव डाला। आरोप है कि ईसीआई स्वायत्त रूप से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुलाम की तरह काम किया। आरोप यह भी है कि भाजपा एसआईआर से सिर्फ उन लोगों को हटाना चाहती थी जिन्हें वे अपना नहीं बल्कि विपक्ष का मतदाता आधार मानती थी।

अप्रैल-मई में होने वाले राज्यों के चुनाव में से असम अकेला ऐसा राज्य है, जहां भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सत्ता में है, जबकि बाकी चार-पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी- में उसे अपनी मौजूदगी बढ़ाने की उम्मीद है। सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही अत्यधिक उपलब्धि हासिल करने की उम्मीद रखती है और वह खुले तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टीएमसी को सत्ता से बाहर करने का दावा कर रही है। जाहिर है, भाजपा का सबसे बड़ा दांव असम में है, जिसकी वजह से पार्टी को राज्य में बेलगाम अनैतिकता की राजनीति का सहारा लेना पड़ रहा है। भाजपा ने चुनाव से ठीक पहले राज्य के राजनीतिक माहौल को हिंदू-मुस्लिम के आधार पर बहुत ज्यादा सांप्रदायिक बना दिया है, एसआईआर को भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के जरिए खुलेआम रोक दिया है, जबकि यह सभी चुनाव वाले राज्यों, और केन्द्र शासित प्रदेश में किया जा रहा है जहां चुनाव होने हैं, और विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश कर रही है। दशकों से, बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों का मुद्दा राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में हलचल मचाता रहा है। भाजपा हर चुनाव में देश के सभी राज्यों में बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों का मुद्दा उठाती रही है, और कहती रही है कि मतदाता सूचियों में गैर-कानूनी घुसपैठियों के नाम नहीं होने चाहिए। इसी तर्क पर वे असम को छोड़कर हर राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) का समर्थन कर रही है। क्यों? इसका जवाब किसी को हैरान नहीं करना चाहिए, जो इस बात में है कि असम में दस लाख से ज्यादा हिंदू हैं जो यह प्रमाण नहीं दे पा रहे हैं कि वे भारत के नागरिक हैं। इन हिंदुओं में से ज्यादातर भाजपा के मतदाता आधार हैं, और इसलिए वह असम में एसआईआर का सामना करने की हालत में नहीं है। असम में 2019 के नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) का आंकड़ा खुद ही सब कुछ बता देता है। इसने अंतिम सूची से 19 लाख से ज्यादा लोगों को बाहर कर दिया था, उनमें से सिर्फ लगभग 7 लाख मुस्लिम थे। बाहर किए गए लोगों में लगभग 60,000असमी हिंदू भी थे। आंकड़े में वे लोग थे जिन्हें 1971 की कट-ऑफ तारीख तक अपनी नागरिकता साबित करने में मुश्किल हुई। अगर असम में एसआईआर किया गया होता, तो भाजपा हार जाती, और उसके हिंदू समर्थन आधार सहित सभी गैर-नागरिक बाहर हो जाते। इसे आंकड़े में ही साफ देखा जा सकता है, जो शायद एक कारण हो सकता है, जिसके लिए केंद्र में भाजपा नेतृत्व ने ईसीआई पर असम में एसआईआर न करने के लिए दबाव डाला। आरोप है कि ईसीआई स्वायत्त रूप से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुलाम की तरह काम किया। आरोप यह भी है कि भाजपा एसआईआर से सिर्फ उन लोगों को हटाना चाहती थी जिन्हें वे अपना नहीं बल्कि विपक्ष का मतदाता आधार मानती थी। ईसीआई ने भाजपा की इच्छा को आदेश मानकर काम किया, और असम को छोड़कर सभी राज्यों में एसआईआर किया।

फिर भी, ईसीआई ने घोषणा की कि असम में एसआईआर के लिए एक अलग आदेश जारी किया जायेगा, जिसमें भारतीय नागरिकता अधिनियम के तहत राज्य के खास नागरिकता प्रावधान और नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) के लिए सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में चल रहे नागरिकता पुष्टिकरण प्रक्रिया का हवाला दिया गया। दूसरे राज्यों के लिए ईसीआई का कहना है कि उसके पास गैर-नागरिकों से मुक्त मतदाता सूची तैयार करने का अधिकार है। यह ईसीआई का दोहरा रवैया दिखाता है, जो भाजपा की इच्छा पूरी करने का एक आसान तरीका है। यह मुद्दा तब से भारत के सर्वोच्च न्यायालय में उठाया गया है, लेकिन अभी तक कुछ परिणाम नहीं निकला है। असम के लिए कोई एसआईआर नहीं करवाया जा रहा है, जिससे साफ तौर पर भाजपा को फायदा होगा, जबकि दूसरे राज्यों में एसआईआर करवाया जा रहा है जिससे भी साफ तौर पर भाजपा को फायदा होगा।

असम में भाजपा की बिना किसी रोक-टोक वाली बेलगाम अनैतिकता की राजनीति वाली रणनीति यहीं खत्म नहीं होती। पार्टी राज्य के राजनीतिक माहौल को बहुत ज्यादा साम्प्रदायिक करने की कोशिश कर रही है। सबसे खास बातों में से एक है श्मियां बयानबाजीय का इस्तेमाल। यह पदावली अकसर असम में बंगाली मूल के मुस्लिम समुदायों के लिए इस्तेमाल होता है। इसका इस्तेमाल भाजपा नेता और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कर रहे हैं। यह कहानी बेदखली अभियान, नागरिकता और जमीन के अधिकारों पर बहस का केंद्र बन गई है, और चुनाव से ठीक पहले मीडिया में इसे एक मुख्य साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे के तौर पर जोरदार ढंग से सामने लाया जा रहा है। इस मुद्दे ने विकास और शासन जैसे मुद्दों को पीछे धकेल दिया है। राजनीतिक तनाव और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, क्योंकि पार्टियां और उनके नेता अपने सार्वजनिक बयानों में पहचान, समुदाय और खतरे वाली कहानियों का तेजी से इस्तेमाल कर रही हैं, जो राज्य में धार्मिक आधार पर भावनात्मक रूप से ज्यादा असरदार पहचान की राजनीति की ओर एक साफ बदलाव है। आम तौर पर मीडिया और खासकर सोशल मीडिया ऐसी सांप्रदायिक बातों, तस्वीरों और वीडियो से भरा पड़ा है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम यह है कि भाजपा विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस, जो राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी है, को तोड़ने की कोशिश कर रही है। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है और उन्होंने 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होने की घोषणा की है, जो विपक्ष के लिए एक बड़ा झटका है। जब कोई इस घटनाक्रम को मुख्यमंत्री हिमंता के इस बयान की रोशनी में देखता है कि बोरा कांग्रेस के आखिरी हिंदू नेता हैं, तो सांप्रदायिक रंगत सब कुछ साफ कर देती है। कुछ और राजनीतिक बदलाव भी हो रहे हैं, जिनमें कांग्रेस और एआईयूडीएफ के विधायकों के एजीपी में शामिल होने की खबर है, जो एनडीए में भाजपा की सहयोगी पार्टियों में से एक है।

मंत्र भारत | ग्वालियर -शनिवार,21 फरवरी 2026

बिजलीकर्मियों का थाने पर प्रदर्शन,पावर हाउस में घुसकर महिला ने मारे थे थप्पड़

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पावर हाउस में घुसकर बिजलीकर्मियों को थप्पड़ मारने की घटना के बाद कर्मी आक्रोशित हैं। बुधवार को एक महिला ग्राहक ने विकासनगर सेक्टर-14 पावर हाउस पर बवाल मचाया था। उसने समस्या की शिकायत की तो उससे कर्मियों ने बिजली बिल डिटेल मांग ली थी। इसी पर गुस्साई महिला ने वहां पहुंचकर थप्पड़ मारे थे। उसके बाद आज, शुक्रवार को दर्जनों बिजलीकर्मियों ने स्थानीय पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। वे पावर हाउस से हाथों में न्याय दो लिखी तख्तियां लेकर विकासनगर थाने पहुंचे। यहां पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। उनका कहना है कि पुलिस अपराधियों को संरक्षण दे रही है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? कर्मचारी थाने के सामने नारेबाजी करने लगे तो पुलिस ने सख्ती बरती। इसके बाद कर्मचारियों ने नारा लगाना बंद कर दिया और शांत हो गए। कर्मचारियों ने कहा कि जिन लोगों ने उनपर हमला किया उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन सिर्फ बिजली विभाग के कर्मचारियों को थाने पर बुलाकर ही पूछताछ की जा रही है। कर्मचारियों ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि घटना के बाद में मनोबल गिर गया है

कार्डियक अरेस्ट के दौरान जान बचाने के लिए सीपीआर देने से पहले जरूर बरतें ये सावधानियां

हृदय गति रुकने की स्थिति में तुरंत उढफदेना मरीज के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। मगर उढफदेने से पहले कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी होता है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

आज की भागदौड़ जिंदगी में ऑफिस में काम करते हुए, जिम में एक्सरसाइज करते या स्टेज पर डांस करते समय अचानक आने वाले हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसी आपातकालीन स्थितियों में 'सीपीआर' सबसे प्रभावी जीवन रक्षक प्रक्रिया साबित हो सकता है, लेकिन विषेशज्ञों के मुताबिक सीपीआर देने से पहले कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी है।

अक्सर लोग घबराहट में बेहोश व्यक्ति को तुरंत उढफदेने लगते हैं, जबकि ये प्रक्रिया करने से पहले कुछ सावधानियां बरतना बहुत जरूरी होता है। अमर उजाला कार्यालय में आयोजित एक विशेष हेल्थ कैंप के दौरान नोएडा के एक निजी अस्पताल की डॉ. सुरभि छाबड़ा ने 'सीपीआर' के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें

एक महत्वपूर्ण बात ये बताई की सीपीआर देने से कुछ सावधानी बरतना बहुत जरूरी होता है, जिसे अगर नजरअंदाज किया गया तो मरीज को जीवन का जोखिम और बढ़ जाता है। आइए इस लेख में उन्हीं 4 महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

सुरक्षित स्थान का चुनाव

सीपीआर शुरू करने से पहले खुद को और मरीज को किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। जैसे - अगर कोई बीच सड़क पर बेहोश हुआ है, तो उसे तुरंत किनारे करें ताकि ट्रैफिक से कोई खतरा न हो। मरीज को किसी कठोर और समतल सतह पर लिटाएं। इसके बाद मरीज के कंधे थपथपाकर और जोर से बोलकर उनकी प्रतिक्रिया जांचें। अगर कोई जवाब न मिले, तो बिना समय गंवाए अगली प्रक्रिया शुरू करें।

मदद मांगे

अकेले सीपीआर देना थका देने वाला काम है, इसलिए तुरंत आसपास के लोगों से मदद मांगें। यहां 'क्लोज लूप कम्युनिकेशन' का उपयोग करें, जिसका अर्थ है किसी एक व्यक्ति को सीधे इंगित करना (जैसे- ₹नीली शर्ट वाले भाई साहब, आप एम्बुलेंस को फोन करें₹)। इससे जिम्मेदारी स्पष्ट होती है और भीड़ में भ्रम की स्थिति पैदा नहीं होती। उस व्यक्ति को एम्बुलेंस बुलाने और आपके थकने पर हाथ बटाने के लिए तैयार करें।

थकान से बचें

प्रभावी सीपीआर के लिए छाती को एक निश्चित गहराई और गति से दबाना पड़ता है, जिससे बचावकर्ता 2-3 मिनट में थक सकता है। थकान होने पर कंप्रेशन की गुणवत्ता कम हो जाती है, जो मरीज के लिए ठीक नहीं है। जैसे ही आप थकावट महसूस करें, तुरंत दूसरे व्यक्ति को कार्य सौंप दें। निरंतरता बनाए रखने के लिए यह बदलाव बहुत तेजी से (5-10 सेकंड के भीतर) होना चाहिए।

डॉक्टर का विशेष सुझाव

डॉक्टर सुरभि ने बताया कि अगर आप सीपीआर देते समय सीधे सांस देने में असहज हैं (जैसे- मरीज के मुंह पर खून या उल्टी लगी हो) तो आप मरीज के मुंह पर एक पतला और साफ कपड़ा रखकर सांस दे सकते हैं। अगर कपड़ा भी उपलब्ध न हो, तो केवल 'हैंड्स-ओनली सीपीआर' (सिर्फ छाती दबाना) जारी रखें। यह भी उतना ही प्रभावी है और मरीज के बचने की संभावना को बढ़ा देता है।

अस्वीकरणः अमर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है।इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

रमजान से पहले कर लें स्किन केयर, ताकि चांद सा चमके चेहरा

अगर आप रमजान के महीने में सबसे खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो आज घर बैठे स्किन केयर करें। यहां हम आपको उसका सही तरीका बताएंगे।

रमजान का महीना इस्लामिक कैलेंडर का एक खास और पवित्र महीना होता है। इस दौरान रोजा रखना और अल्लाह की इबादत करना एक अनमोल अनुभव है। पर, क्या आप जानते हैं कि रोजा रखने के साथ-साथ हमारी स्किन का ख्याल रखना भी बेहद जरूरी होता है।

अब जब मौसम बदल रहा है तो पानी की कमी, विटामिन की कमी और थकान हमारी स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी हो जाता है, जिससे आपकी त्वचा न केवल ताजगी से भरपूर रहे, बल्कि सुंदर और चमकदार भी दिखे। तो आइए, जानते हैं रमजान के दौरान स्किनकेयर की सही तकनीक और टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप खुद को और अपनी त्वचा को संजीवनी दे सकती हैं।

1. नींबू और शहद का फेस पैक

नींबू में विटामिन उ और शहद में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन को क्लीन और ब्राइट बनाते हैं।

नींबू का रस और शहद मिलाकर फेस पैक बनाएं और इसे चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं।

यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करने में मदद करता है और त्वचा की रंगत को भी निखारता है।

सप्ताह में 2-3 बार इस पैक का उपयोग करने से आपको फर्क महसूस होगा।

होली पर बनाएं 5 तरह की स्वादिष्ट गुजिया, खाकर मेहमान करेंगे तारीफ

इस वर्ष होली में पारंपरिक मावा गुजिया के अलावा भी कुछ अलग तरह की गुजिया बनाएं ताकि मेहमान इम्प्रेस हो जाएं। चॉकलेट,

नारियल, या ड्राईफ्रूट गुजिया भी बना सकती हैं।

होली का त्योहार हो और घर में गुजिया की खुशबू न आए, ऐसा कैसे हो सकता है? रंगों के इस पर्व पर मीठे पकवानों की खास परंपरा है और गुजिया उनमें सबसे लोकप्रिय है। बाहर से कुरकुरी और अंदर से मावा व ड्राई फ्रूट्स से भरी गुजिया हर किसी की पसंदीदा होती है।

इस वर्ष होली पर पारंपरिक मावा गुजिया से अलग कुछ नया ट्राई करें, जिसे खाकर मेहमान आपकी तारीफ भी करें और रेसिपी पूछे भी रह न पाएं।

इस बार होली के मौके पर 5 अलग-अलग तरह की खास गुजिया बनाएं और त्योहार को अधिक खास बना दें। पारंपरिक स्वाद से लेकर मॉडर्न ट्विस्ट तक, हर उम्र के लोगों को पसंद आएंगी। यहां 5 तरह की गुजिया बनाने की विधि बताई जा रही है। साथ ही परफेक्ट गुजिया बनाने के लिए कुछ जरूरी टिप्स भी बताए जा रहे हैं।

पारंपरिक मावा गुजिया रेसिपी सामग्री 2 कप मैदा 4 बड़े चम्मच घी (मोयन के लिए) 1 कप मावा आधा कप पिसी चीनी

काजू, बादाम, किशमिश आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर तलने के लिए घी या तेल बनाने की विधि मैदा में घी मिलाकर अच्छी तरह मसल लें और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। मावा हल्का भून लें और ठंडा होने पर उसमें चीनी व ड्राई फ्रूट्स मिलाएं। आटे की लोई बेलकर मिश्रण भरें और गुजिया शेप दें। मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलें।

2 कप मैदा 1 कप खोया आधा कप चॉकलेट चिप्स 2 बड़े चम्मच कोको पाउडर आधा कप पिसी चीनी खोया भूनकर ठंडा करें। उसमें चॉकलेट चिप्स और चीनी मिलाएं। गुजिया में भरकर तलें या बेक करें।

नारियल गुजिया

सामग्री 1 कप सूखा नारियल बुरादा आधा कप कंडेंस्ड मिल्क 1/4 कप ड्राई फ्रूट्स नारियल की गुजिया कैसे बनाएं नारियल और कंडेंस्ड मिल्क मिलाकर हल्का पकाएं। ठंडा होने पर गुजिया में भरें। तलकर या बेक कर सकते हैं। स्वादः हल्की मिठास और नारियल की खुशबू इसे खास बनाती है।

सामग्री काजू, पिस्ता, बादाम, अंजीर बारीक कटे हुए आधा कप शहद 1/4 कप मावा सभी ड्राई फ्रूट्स को हल्का भून लें। मावा और शहद मिलाकर मिश्रण तैयार करें। गुजिया में भरकर तलें। खासियतः कम चीनी, ज्यादा पौष्टिकता।

आटा गूंथकर गुजिया तैयार करें। 180त्उ पर 20-25 मिनट बेक करें। हल्का सुनहरा होने पर निकाल लें।

होली पार्टी में जाना है? ये कपड़े पहनेंगे तो सबकी नजरें आप पर टिक जाएंगी

होली पार्टी में शामिल होना है तो ऐसे कपड़े पहनें जो आपको पार्टी में स्टाइलिश लुक भी दें और सहज भी रहें। होली पार्टी के लिए यहां परफेक्ट आउटफिट आइडिया का विकल्प दिया जा रहा है।

होली का त्योहार रंगों, मस्ती और उत्साह से भरा होता है। ऐसे में अगर आप होली पार्टी में जा रहे हैं तो कपड़ों का चुनाव सोच-समझकर करना जरूरी है।

होली पार्टी में स्टाइल और कम्फर्ट दोनों जरूरी हैं। सही कपड़े, सही फुटवियर और थोड़ी सी तैयारी आपके होली लुक को परफेक्ट बना सकती है। सही आउटफिट न केवल आपको स्टाइलिश लुक देगा, बल्कि रंगों और पानी से भी बचाएगा। इस बार होली पर ऐसा आउटफिट चुनें जो आपको ट्रेंडी भी दिखाए और पूरे दिन आराम भी दे।

यहां जानिए होली पार्टी के लिए बेस्ट आउटफिट आइडियाज, फैशन टिप्स और जरूरी स्टाइल गाइड जो रंगों के इस त्योहार में फैशन के साथ मस्ती का मजा दोगुना

बना सकते हैं। होली पर सफेद कपड़े पहनने का ट्रेंड वर्षों पुराना है। सफेद कुर्ता, टी-शर्ट या कुर्ती पर रंग बेहद खूबसूरत लगते हैं।

पुरुषः सफेद कुर्ता-पायजामा या टी-शर्ट और जींस महिलाएंः सफेद कुर्ती, पलाजो, लहंगा या कॉटन साड़ी

होली पर पसीना और पानी दोनों होते हैं, इसलिए कॉटन, लिनेन या रेयॉन जैसे हल्के फैब्रिक पहनें। ये जल्दी सूखते हैं और त्वचा को सांस लेने देते हैं।

फुल स्लीव्स और ढीले कपड़े पहनें थीम बेस्ड होली पार्टी आउटफिट अगर आपकी होली पार्टी किसी खास थीम पर है, तो उसी के अनुसार आउटफिट चुनें।

इस तरह की पार्टी थीम होने पर महिलाएं क्रॉप टॉप और स्कर्ट पहन सकती हैं। साथ ही दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। पुरुष इंडो फ्यूजन लुक के लिए कुर्ता और डेनिम पहनकर होली पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

फुटवियर का सही चुनाव

स्पोर्ट्स शूज फ्लोटर्स पुराने स्नीकर्स क्या न पहनें हील्स नए महंगे जूते

एक्सेसरीज और स्टाइलिंग टिप्स सनग्लासेस लगाएं बालों में तेल लगाकर जाएं वाटरप्रूफ सनस्क्रीन लगाएं मिनिमल ज्वेलरी पहनें

महंगे डिजाइनर कपड़े सिल्क या भारी फैब्रिक ज्यादा टाइट कपड़े कीमती ज्वेलरी

होली पार्टी फैशन के जरूरी सेफ्टी टिप्स स्किन पर मॉइस्चराइजर लगाएं नाखूनों पर नेल पेंट लगाएं मोबाइल को वॉटरप्रूफ कवर में रखें हल्का मेकअप करें

स्पेन से इटली तक, होली जैसे अनोखे फेस्टिवल्स जो आपको हैरान कर देंगे

चाहे स्पेन के टमाटर हों, इटली के संतरे, थाईलैंड का पानी या ब्राजील का कार्निवल, हर जगह लोग खुशियों को रंगों के साथ मनाना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ अनोखे और रंगीन फेस्टिवल्स के बारे में।

भारत में मनाई जाने वाली होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि खुशियों, मेल-मिलाप और उत्साह का प्रतीक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया के कई देशों में भी होली जैसे रंगीन और मस्तीभरे त्योहार मनाए जाते हैं?

दरअसल, रंगों की भाषा पूरी दुनिया समझती है। विदेशों में रंगों का फेस्टिवल होली की तरह पारंपरिक, सांस्कृतिक और धार्मिक

महत्व नहीं रखता, लेकिन रंग, मस्ती और उत्साह की भावना पूरी दुनिया में समान है। चाहे स्पेन के टमाटर हों, इटली के संतरे, थाईलैंड का पानी या ब्राजील का कार्निवल, हर जगह लोग खुशियों को रंगों के साथ मनाना पसंद करते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ अनोखे और रंगीन फेस्टिवल्स के बारे में।

हर साल स्पेन के बुनोल शहर में आयोजित होने वाला ला टोमाटीना फेस्टिवल दुनिया का सबसे बड़ा टमाटर युद्ध माना जाता है।

अगस्त महीने के आखिरी बुधवार को हजारों लोग सड़कों पर उतरते हैं। इस दौरान एक-दूसरे पर पके हुए टमाटर फेंकते हैं। पूरा शहर लाल रंग में रंग जाता है। यह त्योहार 1945 से मनाया जा रहा है और अब यह स्पेन की पहचान बन चुका है। खास बातः हर साल करीब 100 टन से ज्यादा टमाटर इस्तेमाल होते हैं। यह उत्सव पूरी तरह सुरक्षित और नियमों के तहत आयोजित किया जाता है। इटली के इव्रिया शहर में मनाया जाने वाला बैटल ऑफ ऑरेंज संतरे की लड़ाई के लिए मशहूर है। यह उत्सव फरवरी में आयोजित होता है और तीन दिन चलता है। इसमें लोग टीम बनाकर एक-दूसरे पर संतरों की बारिश करते हैं। थाई नववर्ष पर मनाया जाने वाला सोंगक्रान पानी के रंगीन उत्सव के रूप में प्रसिद्ध है। यह मुख्य रूप से थाईलैंड में अप्रैल के महीने में मनाया जाता है। लोग सड़कों पर निकलकर एक-दूसरे पर पानी डालते हैं। कई जगहों पर रंगीन पानी और वाटर गन का इस्तेमाल होता है। यह त्योहार भी होली की तरह गिले-शिकवे भुलाकर नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। ब्राजील का कार्निवाल ब्राजील में आयोजित रियो कार्निवाल दुनिया का सबसे बड़ा और रंगीन कार्निवल माना जाता है।

रोज दो मिनट करें वीरभद्रासन, दिखेंगे चौंकाने वाले फायदे

यदि आप फिटनेस और आत्मविश्वास बढ़ाना चाहते हैं, तो वीरभद्रासन को अपनी डेली योग रूटीन में जरूर शामिल करें।

योग में वीरभद्रासन एक शक्तिशाली और ऊर्जा से भरने वाला आसन है। इसे अंग्रेजी में हं११ङ्क१ ढङ्करी कहा जाता है। यह आसन शरीर को मजबूती देने के साथ-साथ आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता भी बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से पैरों, कंधों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है।

वीरभद्रासन शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाने वाला प्रभावी योगासन है। नियमित अभ्यास से शारीरिक ताकत, संतुलन और मानसिक स्थिरता में सुधार होता है। यदि आप फिटनेस और आत्मविश्वास बढ़ाना चाहते हैं, तो इस आसन को अपनी डेली योग रूटीन में जरूर शामिल करें। इस लेख में जानिए वीर भद्रासन के

अभ्यास का सही तरीका, और इससे होने वाले फायदे।

वीरभद्रासन करने की सही विधि चरण 1ः सीधे खड़े हो जाएं। पैरों के बीच लगभग 3-4 फीट का अंतर रखें। चरण 2ः दाएं पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर घुमाएं। बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर रखें। चरण 3ः दाएं घुटने को मोड़ें, ताकि जांघ जमीन के समानांतर हो जाए। ध्यान रखें कि घुटना टखने से आगे न जाए। चरण 4ः दोनों हाथों को कंधे की सीध में फैलाएं। नजर दाएं हाथ की उंगलियों पर रखें। चरण 5ः सामान्य गति से सांस लें। 20-30 सेकंड तक इसी स्थिति में रहें।

अब दूसरी तरफ से भी यही प्रक्रिया दोहराएं।

वीरभद्रासन के फायदे 1. पैरों और जांघों को मजबूत बनाता है यह आसन जांघों, पिंडलियों और टखनों की मांसपेशियों को सशक्त करता है। 2. संतुलन और स्टैमिना बढ़ाता है नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बेहतर होता है और सहनशक्ति बढ़ती है। 3. कंधों और छाती को खोलता है यह आसन छाती और कंधों को फैलाता है, जिससे सांस लेने की क्षमता बढ़ती है। 4. मानसिक शक्ति और आत्मविश्वास वीरभद्रासन आत्मबल और एकाग्रता को बढ़ाता है। 5. कमर और पीठ दर्द में राहत सही तरीके से करने पर यह कमर और पीठ की जकड़न कम करने में सहायक है। वीरभद्रासन के अभ्यास की सावधानियां घुटनों में गंभीर दर्द हो तो डॉक्टर की सलाह लें। कमर की समस्या होने पर हल्के अभ्यास से शुरू करें। गर्भावस्था में प्रशिक्षक की देखरेख में करें। शुरूआत में अधिक देर तक रुकने की कोशिश न करें। अभ्यास का तरीका सुबह खाली पेट करना सबसे अच्छा होता है। 3-5 बार दोनों ओर से अभ्यास करें। शुरूआत में 15-20 सेकंड रुकें, बाद में समय बढ़ाएं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यूपी निर्णायक छलांग की ओर

लखनऊ,(संवाददाता)। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश निर्णायक छलांग लगाने की ओर कदम बढ़ा रहा है। इस क्षेत्र को और गतिशील बनाने के लिए योगी सरकार ने बजट 2026-27 के माध्यम से विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं आईटी क्षेत्र को नई दिशा देने वाली कई योजनाओं की घोषणा की है। इस पहल से प्रदेश न केवल डिजिटल और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान और नवाचार का प्रमुख केंद्र भी बनेगा। बजट में इंडिया एआई मिशन और इंडिया एआई डेटा लैब को आगे बढ़ाने के साथ उत्तर प्रदेश एआई मिशन की शुरूआत का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य शासन व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई आधारित समाधान विकसित करना है। उत्तर प्रदेश स्टेट डेटा सेंटर और उत्तर प्रदेश डेटा सेंटर क्लस्टर को सुदृढ़ कर प्रदेश को सुरक्षित डेटा भंडारण और क्लाउड सेवाओं का बड़ा हब बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर में यू-हब की स्थापना से स्टार्टअप और नवाचार को नई ऊर्जा मिलेगी। सरकार का मानना है कि इन हब के माध्यम से युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी संसाधन, मेंटरशिप और निवेश के अवसर उपलब्ध होंगे।

ऐसा हुआ तो टी20 विश्वकप में फिर होगा महामुकाबला ! भारत-पाकिस्तान आ सकते हैं आमने-सामने

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान सुपर-8 में अलग-अलग ग्रुप में हैं, इसलिए वहां मुकाबला संभव नहीं। लेकिन यदि दोनों टीमें अपने-अपने सुपर-8 ग्रुप में टॉप-2 में रहकर अलग-अलग पोजिशन पर खत्म करती हैं, तो सेमीफाइनल में भिड़ सकती हैं। समान स्थान पर रहने पर फाइनल में टकराव की संभावना बनेगी। टी20 विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। अब तक इस विश्वकप में कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले हैं। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का ग्रुप स्टेज से बाहर होना चौंकाने वाला रहा। वहीं, जिम्बाब्वे ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। कई एसोसिएट टीमें भले ही सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं हों, लेकिन उनक कई खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से सुर्खियां बटोरीं। टूनार्मेंट के शुरू होने से पहले कई विवाद हुए, लेकिन यह विवाद भारत और पाकिस्तान के बीच होने के साथ ही शांत हो गया। भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी टीम इंडिया ने ग्रुप-ए के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी और पड़ोसियों और उनके फैंस का मुंह बंद कर दिया। पाकिस्तान ने टूनार्मेंट शुरू होने से पहले भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का एलान किया था और तब वहां के क्रिकेट पंडित और फैंस फर्जी बयानबाजी करते दिखे थे। फिर आईसीसी के चाबुक के डर से टूनार्मेंट शुरू

होते-होते पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और टीम इंडिया के खिलाफ खेलने को तैयार हो गए। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच एकतरफा तो रहा, लेकिन दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता देखने लायक होती है। अब फैंस यह जानना चाहते हैं कि क्या इन दो देशों के बीच फिर से मुकाबला हो सकता है? समीकरण तो बन रहे हैं और सुपर-आठ में कुछ उसी तरह हुआ तो फैंस दोनों टीमों को किसी नॉकआउट मुकाबले में खेलते हुए देख सकते हैं. ग्रुप स्टेज में भारत शीर्ष पर, पाकिस्तान दूसरे स्थान पर भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपने सभी मैच जीते और अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, पाकिस्तान की टीम चार में से तीन मैच जीतकर ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रही। उसे सुपर-आठ में पहुंचने के लिए जूझना पड़ा और नामीबिया के खिलाफ आखिरी मैच को जीतकर सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रही। 2009 की टी20 चैंपियन पाकिस्तान टीम में कई खामियां देखने को मिलीं और नीदरलैंड्स अगर उन्हें पहले मुकाबले में हरा देता तो टीम बाहर भी हो सकती थी। पाकिस्तान नीदरलैंड्स के खिलाफ ग्रुप-ए मुकाबला तीन गेंद शेष रहते जीता था। क्या फिर से हो सकता है भारत-पाकिस्तान मुकाबला? इस टूनार्मेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया था। सभी टीमों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा गया। हर ग्रुप से शीर्ष-दो टीमों ने सुपर आठ राउंड के लिए क्वालिफाई किया। अब सुपर-आठ राउंड में चार-चार टीमों के दो ग्रुप्स बने हैं और टीमें आईसीसी द्वारा पहले से ही तैयार की गई सीडिंग्स के अनुसार तय की गई हैं। सुपर आठ राउंड में भारत को ग्रुप-1 में जबकि पाकिस्तान को ग्रुप-2 में जगह मिली है। टीम इंडिया के ग्रुप में वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। वहीं, पाकिस्तान के ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका की टीमें हैं। सुपर आठ राउंड में प्रत्येक ग्रुप की एक टीम अपने ग्रुप में मौजूद तीन अन्य टीमों के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान की टीमें दो अलग-अलग ग्रुप में होने के कारण एक-दूसरे से तो नहीं भिड़ेंगी। सुपर-आठ में दोनों ग्रुप्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। हालांकि, सेमीफाइनल में भारत का पाकिस्तान की भिड़ंत संभव है। अगर भारत और पाकिस्तान अपने-अपने ग्रुप्स में शीर्ष दो स्थान पर रहते हैं तो सेमीफाइनल में टकराव का समीकरण बन सकता है। आइए जानते हैं कैसे- सेम पोजिशन में रहने पर खुलेगा फाइनल में भिड़ंत का रास्ता अगर दोनों टीमें सुपर-8 में समान पोजिशन पर खत्म करती हैं (जैसे दोनों पहले या दोनों दूसरे) तो वे अलग-अलग सेमीफाइनल खेलेंगी। अगर दोनों अपनी-अपनी सेमीफाइनल जीत जाती हैं, तब फाइनल में भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबला हो सकता है और अगर ऐसा हुआ तो फैंस के लिए एंटरटेनमेंट का सुपर डोज होगा और स्टेडियम में एक इंच सीट नहीं मिलेगी। साथ ही फैंस टीवी से हटने का नाम नहीं लेंगे। 2007 वाला माहौल बनेगा और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। सेमीफाइनल का शेड्यूल और वेन्यू, शर्तें पहला सेमीफाइनल चार मार्च को और दूसरा सेमीफाइनल पांच मार्च को होगा। अगर भारत और पाकिस्तान का सेमीफाइनल मुकाबला होता है तो भी मैच कोलंबो के प्रेमदासा में ही होगा। अगर पाकिस्तान का सेमीफाइनल किसी और से और भारत का किसी और से होता है, तो पाकिस्तान कोलंबो में और भारत मुंबई के वानखेडे.में खेलेगा। अगर पाकिस्तान क्वालिफाई नहीं करता है और अंतिम-चार टीमें कोई और होती हैं तो कोलंबो में होने वाला सेमीफाइनल भी भारत शिफ्ट हो जाएगा। तब पहला सेमीफाइनल कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में होगा। भारत और पाकिस्तान की टीम अगर फाइनल में पहुंचती हैं (यानी अलग अलग टीमों के खिलाफ सेमीफाइनल खेलते हुए) तो फाइनल भी कोलंबो में होगा। अगर पाकिस्तान नहीं पहुंचा तो फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकता है। यह तभी संभव है, जब दोनों अपने-अपने सुपर-8 ग्रुप में समान पोजिशन पर रहें, जैसे, पहले-पहले या दूसरे-दूसरे। पिक्चर में ट्विस्ट अभी बाकी है मेरे दोस्त! यानी क्रिकेट फैंस के लिए अभी भी उम्मीद बाकी है। अगर दोनों टीमें लगातार जीतती रहीं और सही समीकरण बना, तो टी20 विश्व कप 2026 में एक और हाई-वोल्टेज भारत-पाकिस्तान मुकाबला देखने को मिल सकता है।

हम औसत रहे सुपर-आठ राउंड से पहले अश्विन ने बताई टीम इंडिया की सच्चाई

चेन्नई। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप चरण में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन आर अश्विन ने माना कि टीम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं है। उन्होंने कहा कि औसत दिन पर भी भारत मैच जीत सकता है। सुपर 8 में अब मजबूत टीमों से चुनौती मिलेगी, जहां प्रदर्शन और निरंतरता अहम होगी। टी20 वर्ल्ड कप में भारत का ग्रुप चरण समाप्त हो चुका है और अब टीम की नजर सुपर 8 मुकाबलों पर है। अगले चरण में भारत को दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है।भारत ने डिफेंडिंग चैंपियन की छवि के अनुरूप प्रदर्शन किया है, लेकिन अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि टीम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं पहुंची है। 'औसत दिन पर भी जीतने की क्षमता' अश्विन ने 'ऐश की बात' कार्यक्रम में भारत के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, 'सूर्यकुमार ने बहुत समझदारी भरी पारी खेली। रन गति बढ़ाने के लिए दुबे, हार्दिक और रिंकू मौजूद थे। उन्हें पता था कि वे स्कोरिंग रेट को संभाल सकते हैं। लेकिन आज (नीदरलैंड्स के खिलाफ) भारत बल्लेबाजी में बेहद शानदार नहीं था, उतना प्रभावी भी नहीं था।' उन्होंने आगे कहा, 'यह इतनी मजबूत टीम है कि अपने साधारण दिन पर भी विपक्ष को हरा सकती है। हम औसत थे, अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती ने इतनी अच्छी गेंदबाजी की कि नीदरलैंड्स उन्हें पढ़ नहीं सका। जसप्रीत बुमराह को पावरप्ले में स्विंग मिली और उन्होंने यॉर्कर भी डाले।' अश्विन के मुताबिक, टीम की सबसे बड़ी ताकत है यही है कि टीम कमजोर प्रदर्शन के बावजूद परिणाम अपने पक्ष में करने में कामयाब रहते हैं। तिलक वर्मा की बल्लेबाजी पर खास टिप्पणी अश्विन ने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा की भी तारीफ की। उन्होंने टी20 क्रिकेट में टाइमिंग और तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'तिलक वर्मा चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। हम पावर और ताकत की बात करते हैं, लेकिन बल्लेबाजी का असली सार स्वीट स्पॉट और टाइमिंग है। तिलक बड़े पावर हिटर नहीं हैं।

बड़े शॉट नहीं पहले शुरूआत जरूरी, फॉर्म में वापसी के लिए गावस्कर ने दिया अभिषेक शर्मा को गुरु मंत्र

नई दिल्ली। लगातार तीन डक के बाद अभिषेक शर्मा के फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं। सुनील गावस्कर ने सलाह दी है कि बड़े शॉट खेलने की जल्दबाजी छोड़कर क्रीज पर समय बिताने पर ध्यान दें। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप 2026 में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में खाता तक नहीं खोला है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी से उम्मीदें काफी ज्यादा हो सकती हैं और उन्हें शुरूआत में बड़े शॉट खेलने की बजाय अपनी पारी को संवारने पर ध्यान देना चाहिए। गावस्कर ने दी अभिषेक को यह सलाह सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का दबाव साफ नजर आ रहा है। अगर उन्होंने यूएसए के खिलाफ अच्छी शुरूआत की होती तो बात अलग होती। अब उनसे लंबे छक्के लगाने और टीम के शीर्ष बल्लेबाज की भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। अपनी शॉट रेंज को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताने की जरूरत है। वह पारी की पहली ही गेंद पर बाउंड्री या छक्का मारने की कोशिश नहीं कर सकते। अगर बड़े शॉट स्वाभाविक रूप से लगते हैं तो ठीक है, लेकिन उन्हें खुद को जबरन बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।' 'सिंगल से शुरूआत करो' अभिषेक शर्मा की परेशानी यूएसए के खिलाफ 'गोल्डन डक' से शुरू हुई। इसके बाद पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ भी वह खाता नहीं खोल सके। हर बार वह पहले ओवर में ही आउट हो गए। ऐसे में गावस्कर ने स्वाभाविक खेल पर जोर देते हुए कहा, 'एक सिंगल लेकर शुरूआत करो। चार डॉट गेंदें भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में इसकी भरपाई कर सकते हैं। उन्हें समझदारी से खेलने की जरूरत है। कुछ समय क्रीज पर जमने में बिताएं और फिर अपना नैचुरल गेम खेलें। सबसे पहले, बस शुरूआत करें। हर बल्लेबाज अपना पहला रन बनाना चाहता है। एक बार वह रन बन जाएगा, तो चीजें आसान हो जाएंगी।' कोच ने जताया वापसी का भरोसा खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे ने अभिषेक शर्मा की वापसी की क्षमता पर भरोसा जताया।

द हंड्रेड से भी भगाए जाएंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी?: आठ में से चार फ्रेंचाइजी का एलान, जानें क्यों लिया यह फैसला

नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक 'द हंड्रेड' की उन फ्रेंचाइजियों में, जिनमें कछ मालिकों की हिस्सेदारी है, पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगेगी। ईसीबी और विश्व क्रिकेट संघ ने समान अवसर और भेदभाव-विरोधी नीतियों पर जोर दिया है, जिससे इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड की चर्चित फ्रेंचाइजी लीग द हंड्रेड को लेकर एक नई रिपोर्ट ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। खबर है कि जिन टीमों में इंडियन प्रीमियर लीग (कछछ) फ्रेंचाइजियों की हिस्सेदारी है, वे अगले महीने होने वाली नीलामी में किसी भी पाकिस्तानी खिलाड़ी पर बोली नहीं लगाएंगी। यह दावा बीबीसी की रिपोर्ट में किया गया है, जिसमें एक खिलाड़ी एजेंट के हवाले से इसे 'अलिखित नियम' बताया गया। व्यवहार के वे प्रतिबंध या दिशा-निर्देश हैं, जो कहीं लिखे नहीं होते और न ही औपचारिक रूप से बताए जाते हैं, लेकिन लोग इन्हें मौन सहमति से स्वीकार करते हैं। इन्हें 'अनकहे नियम' भी कहते हैं। भारतीय निवेश और पाकिस्तानी खिलाड़ियों की स्थिति दुनियाभर की टी20 लीगों में यह पहले भी देखा गया है कि जहां भारतीय निवेश या आईपीएल मालिकों की सीधी भागीदारी होती है, वहां पाकिस्तानी खिलाड़ियों की एंट्री नहीं होती। उदाहरण के तौर पर आईपीएल में 2008 के पहले सीजन के बाद कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं खेला। दक्षिण अफ्रीका की एसए20 की सभी छह टीमें आईपीएल समूहों के स्वामित्व में हैं और वहां भी पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं दिखे। यूएई की आईएलटी20 में भी यही स्थिति रही है। अब द हंड्रेड की आठ में से चार टीमों में आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों की हिस्सेदारी आ चुकी है, जो एक अक्तूबर 2025 से प्रभावी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक ये टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगाएंगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (एउइ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक एजेंट को संकेत दिया कि उसके पाकिस्तानी खिलाड़ियों में रुचि केवल उन टीमों तक सीमित हो सकती है, जिनका आईपीएल से कोई संबंध नहीं है।

अफगानिस्तान ने जीत के साथ किया अभियान समाप्त कनाडा को 82 रन से हराया

चेन्नई।अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रन से हराकर टी20 विश्व कप 2026 में अपने अभियान का समापन किया। चेन्नई में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने 20 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रन से हराकर टी20 विश्व कप 2026 में अपने अभियान का समापन किया। गुरुवार को चेन्नई में खेले गए 39वें ग्रुप मैच में अफगानिस्तान ने इब्राहिम जादरान की 95 रनों की दमदार पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम निर्धारित ओवरों में आठ

विकेट खोकर सिर्फ 118 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में मोहम्मद नबी ने चार विकेट झटके जबकि राशिद खान ने एक सफलता अपने नाम की। इब्राहिम जादरान की तूफानी पारी अफगानिस्तान की जीत के हीरो रहे इब्राहिम जादरान, जिन्होंने नाबाद 95 रन की शानदार पारी खेली। जादरान ने 56 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौके और 5 छक्के जड़े। उन्हें 54 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उनके अलावा सेदिकुल्लाह अटल ने 44 रन की अहम पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख तय कर दिया। अंत में अजमतुल्लाह ओमरजई (13 रन) और दरविश रसूली (नाबाद 4 रन) ने तेज रन जोड़कर स्कोर 200 तक पहुंचाया। कनाडा की ओर से जसकरन सिंह ने 3 विकेट लिए, लेकिन बाकी गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। नबी की घातक गेंदबाजी 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कनाडा की शुरूआत खराब रही। टीम ने शुरूआती 6 ओवर में ही 3 विकेट गंवा दिए। कप्तान दिलप्रीत बाजवा 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 7 रन देकर 4 विकेट झटके। कप्तान राशिद खान ने भी 2 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की। कनाडा की ओर से हर्ष ठाकेर (30) और साद बिन जफर (28) ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन बढ़ते रन रेट के दबाव में टीम 118/8 तक ही पहुंच सकी।

भारत से मैच के बाद शादाब के बयान से ससुर सकलैन मुश्ताक खफा

कराची। विश्व कप जैसे बड़े मंच पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उनके बयान भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। शादाब खान के बयान ने पाकिस्तान क्रिकेट में नया विवाद खड़ा कर दिया है। पीसीबी ने स्पष्ट कर दिया है कि टीम

के खिलाड़ियों को अपने शब्दों में संयम और पूर्व दिग्गजों के प्रति सम्मान बनाए रखना होगा। आने वाले मैचों में पाकिस्तान की नजर अब सिर्फ प्रदर्शन पर होगी, ताकि मैदान के बाहर की चर्चा खेल पर हावी न हो। भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप 2026 मैच में हार के बाद पाकिस्तान टीम में सबकुछ सही नहीं चल रहा है। पूर्व क्रिकेटर्स जहां मौजूदा टीम की आलोचना करने में लगे हैं, वहीं मौजूदा क्रिकेटर्स ये कह रहे हैं कि सिर्फ हम क्यों पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स भी तो भारत के खिलाफ कभी विश्व कप मैच नहीं जीत पाए। अब इस मामले में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी दखल दिया है। दरअसल, पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान ने हाल ही में शाहिद अफरीदी और मोहम्मद यूसुफ जैसे पूर्व क्रिकेटरों पर निशाना साधा था। इस के बाद शादाब ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों पूर्व क्रिकेटरों पर तंज कसा था, जिससे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। अब पीसीबी ने शादाब को उनके हालिया बयान पर कड़ी चेतावनी दी है। साथ ही शादाब के ससुर और पूर्व दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक भी शादाब के बयान से नाखुश हैं। शादाब ने अफरीदी-यूसुफ पर तंज कसा कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने नामीबिया को 102 रन से हराया। इस मैच में शादाब ने 22 गेंदों पर 36 रन बनाए और तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच के बाद दिए गए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। प्रेस वार्ता में शादाब ने आलोचना का जवाब देते हुए कहा, 'पूर्व क्रिकेटरों की अपनी राय होती है। वे दिग्गज थे, लेकिन वे भी वह हासिल नहीं कर पाए जो हमने किया। हमने विश्व कप में भारत को हराया है।' शादाब यहां 2021 टी20 विश्वकप में भारत को हराने की बात कर रहे थे। यही एकमात्र विश्वकप मैच है, जिसमें भारत पाकिस्तान से हारा है। इसके अलावा पाकिस्तान ने हमेशा भारत से मुंह की खाई है। वनडे विश्वकप में पाकिस्तान भारत से आठ बार हारा है, जबकि टी20 विश्वकप में पाकिस्तान भारत से आठ बार है और एक बार जीता है। पीसीबी ने दी सख्त हिदायत हालांकि, शादाब का यह बयान कई पूर्व खिलाड़ियों को नागवार गुजरा। बताया जा रहा है कि टीम मैनेजर नावीद चीमा के माध्यम से पीसीबी ने शादाब को स्पष्ट संदेश दिया कि वे अपने शब्दों की मयार्दा रखें और दिग्गज खिलाड़ियों के प्रति सम्मान दिखाएं। टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि पीसीबी ने टीम मैनेजर नावीद चीमा के जरिये ऑलराउंडर को यह संदेश दिया कि उन्हें पूर्व महान खिलाड़ियों के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। चीमा ने पीसीबी का मैसेज पढ़ा, जिसमें लिखा था, 'शादाब प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी सीमा से बाहर चले गए थे। सभी पूर्व खिलाड़ी, जिनमें उनके ससुर सकलैन मुश्ताक भी शामिल हैं, पाकिस्तान के सम्मानित महान खिलाड़ी हैं। उन्हें ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।' अफरीदी-यूसुफ ने क्या कहा था? कोलंबो में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ पाकिस्तान की हार के बाद, पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम प्रबंधन से खराब प्रदर्शन के कारण बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और शादाब खान जैसे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने की मांग की। दूसरी ओर, मोहम्मद यूसुफ ने भी इसी तरह की टिप्पणी करते हुए कहा कि बाबर, शाहीन और शादाब का समय अब खत्म हो चुका है और टीम प्रबंधन को बेंच स्ट्रेंथ आजमाते हुए युवा खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में मौका देना चाहिए। सकलैन मुश्ताक की नाराजगी शादाब के ससुर और पूर्व दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भी इस बयान पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा, 'ये अनावश्यक टिप्पणियां थीं। अधिकांश खिलाड़ी मेरे साथ खेले हैं। सच तो यह है कि मैं भी उन खिलाड़ियों में से हूं जिन्होंने आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती, लेकिन हमने पाकिस्तान के लिए कई बड़े टेस्ट और वनडे मुकाबले जीते।'

ऑस्ट्रेलिया का ग्रुप चरण से बाहर होना इस टीम के लिए लकी

नई दिल्ली। 1992, 2009 और 2017 में ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद एक ही टीम ने आईसीसी खिताब जीता। 2026 में फिर ऑस्ट्रेलिया शुरूआती दौर में बाहर हो चुका है। आंकड़े इशारा कर रहे हैं कि इतिहास दोहर सकता है, जिससे फैंस में उत्सुकता बढ़ गई है। क्रिकेट इतिहास में कई ऐसे संयोग

देखने को मिले हैं, जो वक्त के साथ दिलचस्प ट्रेंड बन जाते हैं। टी20 और वनडे विश्व कप के साथ-साथ चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े आईसीसी टूनार्मेंट्स में एक ऐसा ही पैटर्न बार-बार नजर आया है। यह पैटर्न है कि जब-जब ऑस्ट्रेलिया किसी आईसीसी टूनार्मेंट के ग्रुप स्टेज से बाहर हुआ, तब-तब एक टीम ने वह आईसीसी खिताब अपने नाम किया और यह टीम है पाकिस्तान। ऐसा तीन बार हुआ है, जब ऑस्ट्रेलिया किसी आईसीसी टूनार्मेंट के ग्रुप स्टेज से बाहर हुई और तीनों बार पाकिस्तान ने खिताब जीता। और अब फैंस पूछ रहे हैं कि क्या 2026 में ऐसा हो पाएगा? आइए जानते हैं... 1992 वनडे विश्वकपः पहली कड़ी 1992 के वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था। उसी साल पाकिस्तान पर टूनार्मेंट से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा था, लेकिन इमरान खान की टीम ने शानदार वापसी करते हुए और दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी उठाई। उस जीत ने विश्व क्रिकेट में नई ताकत के उभार का संकेत दिया था। 2009: टी20 में इतिहास दोहराया 2009 के टी20 विश्व कप में भी कहानी कुछ ऐसी ही रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम शुरूआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद पाकिस्तान टीम ने पूरे टूनार्मेंट में जबरदस्त खेल दिखाते हुए टी20 विश्व कप पर कब्जा जमाया। उस टीम की कमान यूनिस खान संभाल रहे थे। पाकिस्तान टीम पहली बार टी20 चैंपियन बनी थी। 2017: चैंपियंस ट्रॉफी का संयोग 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में भी ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया था। उसी साल फिर पाकिस्तान टीम खिताब जीतकर चर्चा में रही। यह तीसरी बार था, जब ऑस्ट्रेलिया की शुरूआती विदाई के बाद ट्रॉफी का रुख उसी दिशा में मुड़ा। सरफराज अहमद की टीम ने फाइनल में भारत को शिकस्त दी थी। 2026: क्या फिर होगा ऐसा? अब 2026 टी20 विश्वकप में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो चुका है। ऐसे में क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञ आंकड़ों को जोड़कर सवाल उठा रहे हैं कि क्या इतिहास खुद को दोहराएगा? क्या पाकिस्तान टीम एक बार फिर ट्रॉफी उठाएगी? हालांकि, क्रिकेट सिर्फ संयोग और आंकड़ों का खेल नहीं है। हर टूनार्मेंट की अपनी परिस्थितियां, फॉर्म और रणनीति होती है, लेकिन बार-बार दोहराए गए ऐसे संयोग रोमांच जरूर बढ़ा देते हैं। संयोग नहीं, मौजूदा फॉर्म से तय होती है किस्मत पाकिस्तान की टीम करो या मरो वाली स्थिति में सुपर-आठ में पहुंची। टीम में आपसी कलह हैं और खिलाड़ियों का कॉम्बिनेशन भी सही नहीं बैठ रहा। किस्मत के सहारे टीम सुपर आठ में जरूर पहुंची, लेकिन यहां से उसके लिए मुश्किलें खड़ी होंगी। सुपर आठ में पाकिस्तान के सामने इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और श्रीलंका जैसी शानदार फॉर्म में चल रही टीमों की चुनौती होगी। उनसे पार पाना सलमान अली आगा के लिए आसान नहीं होगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया टीम इस साल कई दिग्गजों के बिना विश्व कप में उतरी थी। किस्मत ने भी टीम का साथ नहीं दिया। जिम्बाब्वे से हार ने पूरा समीकरण बदल दिया।

उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है, कोच ट्रॉट की विदाई पर बोले कप्तान राशिद

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अंत शानदार जीत के साथ किया। कप्तान राशिद खान ने कोच जोनाथन ट्रॉट के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावुक विदाई दी। टीम ने सकारात्मक प्रदर्शन किया, लेकिन मध्यक्रम बल्लेबाजी और डेथ ओवर गेंदबाजी में सुधार की जरूरत मानी। अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का अंत धमाकेदार जीत के साथ किया। गुरुवार को एम चिदंबरम के मैदान पर खेले गए टूनार्मेंट के 39वें मुकाबले में अफगानिस्तान ने कनाडा को 82 रनों से हराया। अफगानिस्तान ने जीत के साथ टीम के हेड कोच जोनाथन ट्रॉट को भी विदाई दी। कप्तान राशिद खान ने मैच के बाद कहा कि ट्रॉट ने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया और उनका टीम से अलग होना काफी भावुक करने वाला पल है। कनाडा के खिलाफ मिली जीत के बाद राशिद ने कोच की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जोनाथन ट्रॉट के साथ पिछले चार या साढ़े चार साल का यह सफर कमाल का रहा। उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया। टीम को इस मुकाम तक पहुंचाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। ट्रॉट को इस तरह से टीम से अलग होते देखना काफी भावुक पल है, लेकिन यही जिंदगी है। आप कभी भी हमेशा साथ नहीं रह सकते हैं। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनसे फिर मुलाकात होगी।' अफगानिस्तान के टूनार्मेंट में सफर को लेकर राशिद ने कहा, 'हम पूरी तैयारी के साथ आए थे और हमने टूनार्मेंट में लाजवाब क्रिकेट खेला। मेरे हिसाब से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में मिली हार ने हमको बैकफुट पर धकेल दिया और सबसे ज्यादा चोट भी पहुंचाई। हम इस बात को जानते थे कि विश्व कप में अपने भाग्य को नियंत्रण में रखने के लिए हमें शुरूआती दो मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी ही होगी। हालांकि, टूनार्मेंट ऐसे ही चलता है।' राशिद ने आगे कहा, 'इस टूनार्मेंट से हमारे लिए काफी चीजें सकारात्मक रहीं, जिसके साथ हम आगे बढ़ना चाहेंगे और अगले आईसीसी इवेंट में मजबूती के साथ वापसी करेंगे। हालांकि, कुछ चीजों में हमें सुधार करने की जरूरत है।

उप मुख्यमंत्री ने की गृह, राजस्व एवं ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा

लखनऊ,(संवाददाता)।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने आज विधान भवन में चल रहे बजट सत्र-2026 की कार्यवाही से पूर्व विधानसभा कक्ष संख्या-77 में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।बैठक में राजस्व विभाग, ग्राम विकास विभाग, न्याय विभाग एवं गृह विभाग के कार्यों की प्रगति, जनहित से जुड़े मामलों तथा कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे।बैठक में अफसरों निर्देश दिये कि कार्यों का सही तरीके से किया जाय,किसी स्तर पर लापरवाही और गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने राजस्व विभाग को भूमि विवादों, नामांतरण, वरासत एवं ऑनलाइन सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये।ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण सड़क, आवास, शौचालय एवं आजीविका योजनाओं की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा।न्याय विभाग को लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण हेतु प्रभावी पैरवी एवं समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिया।

मनोरंजन

19 साल बाद फिर से भारत आएंगी ग्लोबल स्टार शकीरा, इन शहरों में करेंगी परफॉर्म अप्रैल में इस तारीख को होगा शो

लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा 19 साल बाद भारत में परफॉर्म करने वाली हैं।जानिए कहां होगा कॉन्सर्ट और कहां से आप बुक कर सकते हैं टिकट्स।

ग्लोबल स्टार शकीरा इस साल भारत में फिर से एक बार शानदार परफॉरमेंस देने वाली हैं।इस बात की पुष्टि होने के बाद उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2007 में इंडिया में परफॉर्म किया था। अब 19 साल बाद फिर से शकीरा अपना जलवा बिखेरने इंडिया आ रही हैं।

कब परफॉर्म करेंगी शकीरा?

लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा इस अप्रैल भारत में लगभग 19 साल बाद धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। वे 10 अप्रैल 2026 को मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स और 15 अप्रैल 2026 को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी।2007 में अपने ऑरल फिक्सेशन टूर के दौरान मुंबई में यादगार शो करने के बाद यह उनका पहला बड़ा कॉन्सर्ट होगा।

भारत में परफॉर्म करना हमेशा खास

शो के बारे में बात करते हुए शकीरा ने कहा, भारत में परफॉर्म करना उनके लिए हमेशा खास रहा है। वे मुंबई और दिल्ली के फैंस से दोबारा मिलने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह टूर सिर्फ म्यूजिक के लिए नहीं, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के लिए लोगों को एकजुट करना है।

शकीरा ने बनाया रिकॉर्ड

यह कॉन्सर्ट गैर-लाभकारी पहल फीडिंग इंडिया के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट बाए जोमेटो सहयोग कर रहा है। खास बात यह है कि फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट पहली बार एक से ज्यादा शहरों में हो रहा है। बता दें कि शकीरा दुनिया की सबसे ज्यादा सुनी जाने वाली लैटिन महिला कलाकारों में से एक हैं और उनके 100 मिलियन से ज्यादा रिकॉर्ड्स बिक चुके हैं। उनके हिट गाने जैसे हिप्स डोंट लाइ, वाका वाका, व्हेनेवर व्हेरेवर और शी वोल्फ आज भी दुनियाभर में बहुत पॉपुलर गानों में से हैं।

द 50 के प्रतियोगियों को मिला अजब-गजब टास्क, झगड़ा भूलकर मस्ती में लगे झूमने; देखें वायरल वीडियो

रियलिटी शो द 50 में आए दिन प्रतियोगियों के बीच झगड़े होते रहते हैं। लेकिन हालिया रिलीज प्रोमो में प्रतियोगी को ऐसा टास्क मिला कि वह अपने झगड़ों को भूल गए। जानिए, ऐसा क्या टास्क प्रतियोगियों को मिला?

इन दिनों टीवी पर रियलिटी शो द 50 दर्शकों को मनोरंजन की भरपूर डोज देने की कोशिश कर रहा है। बिग बॉस रियलिटी शो की तरह इसमें भी आए दिन प्रतियोगियों के बीच झगड़ा

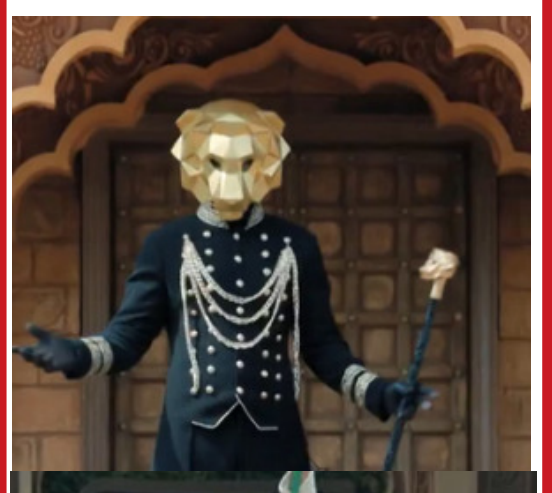

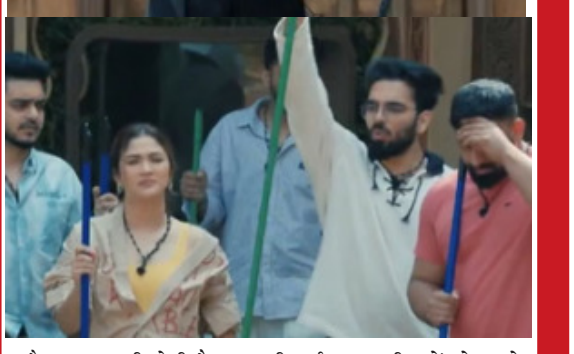

और बहसबाजी होती है। साथ ही कई टास्क भी इन्हें पूरे करने होते हैं। हालिया रिलीज द 50 के प्रोमो में एक अजब-गजब सा टास्क प्रतियोगियों को मिला।

झाड़ू पकड़े नजर आए सभी प्रतियोगी

रियलिटी शो के नए प्रोमो में प्रतियोगियों के साथ में झाड़ू थी। शो के होस्ट ने इन्हें झाड़ू पकड़कर डांस करने को कहा और एक-दूसरे को झाड़ू पास करने को कहा। यह टास्ट कहने में आसाना था लेकिन करना मुश्किल। टास्क करते हुए कई प्रतियोगियों की हंसी छूटी तो कुछ टास्क पूरा करने पर फोकस करते दिखे। इस टास्क के कारण कई प्रतियोगियों आपसी की बहसबाजी को भी भूल गए और एक-दूसरे का साथ देने लगे।

क्या है शो द 50 का कॉन्सेप्ट?

यह एक अलग तरह का गेम शो होगा। इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हैं। शो में एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन जैसे कई लोग शामिल हैं। द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरुला, सपना चौधरी, दिव्या अग्रवाल, करण पटेल जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं। यह शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

लड़का कहां है? अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर; खुद को बताया धनुष की सबसे बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर अपनी शादी को लेकर लगातार चचाओं में बनी हुई हैं। अब अभिनेत्री ने शादी के सवाल पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही अरेंज मैरिज को लेकर भी अपनी राय साझा की है

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म दो दीवाने सहर में को लेकर चचाओं में हैं।इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है।

पापा ने कहा शादी कर लेनी चहिए

शोशा इंडिया से बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चचाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, 'अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।' मैंने कहा, 'क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?' उन्होंने पूछा, 'लड़का कहां है?' मैंने कहा, 'बिल्कुल - लड़का कहां है?' अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए।

पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है।

दिव्या अग्रवाल की शादी की अफवाहों पर लगा विराम, पति के साथ शेयर किया वीडियो

हाल ही में अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में थीं। इस बीच उन्होंने अपने पति के साथ एक वीडियो शेयर किया है। आइए जानते हैं इसमें क्या है?

अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक वक्त उनकी शादी में दरार और तलाक की खबरें जोरों पर थीं। खबरें थीं कि दिव्या अपने पति से अलग रह रही हैं और उनके रिश्ते में कड़वाहट आ गई है। ऐसे में अभिनेत्री ने अपने पति के लिए एक खास पोस्ट की है।

शादी को लेकर फैली अफवाहें

रियलिटी शो 'द 50' में कंटेस्टेंट भाव्या सिंह ने दिव्या के वैवाहिक जीवन पर सवाल उठाए थे, जिससे अफवाहें और तेज हो गई थीं। हालांकि इन सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए दिव्या ने शुक्रवार को अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर पति संग एक खास वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दोनों एक दूसरे के साथ प्यार भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं। दोनों एक दूसरे के साथ डांस कर रहे हैं।

दिव्या ने लिखी प्यारी पोस्ट

पोस्ट के कैप्शन में दिव्या ने लिखा, 'मैंने आपसे शादी इसलिए की क्योंकि आप ही वो इंसान हैं जो मुझे पूरी तरह समझते हैं। आपने कभी मुझे बदलने की कोशिश नहीं की। आप मुझे अंदर से जानते हैं, जैसे मैं सच में हूं। मेरे प्यार को शादी की सालगिरह मुबारक। आने वाले वर्षों में चाहे जिंदगी कितनी भी पागलपन भरी क्यों न हो, हम हमेशा साथ रहेंगे।'

सेलेब्स ने किए कमेंट

दिव्या की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और उस पर कमेंट किया है। दिव्या की दोस्त और अभिनेत्री गौहर खान ने भी कमेंट करके उन्हें बधाई दी है। गौहर ने लिखा, 'शादी की सालगिरह मुबारक हो।' टीना दत्ता ने कमेंट में लिखा 'आप दोनों प्यारे हैं।' इसके अलावा कई यूजर्स ने पोस्ट पर दिल वाला इमोजी कमेंट किया है।

दिव्या अग्रवाल का वर्कफ्रंट

दिव्या अग्रवाल अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं। इन दिनों वह रियलिटी शो 'द 50' में नजर आ रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स 2' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। वह 'बिग बॉस ओटीटी 1' की विनर रही हैं।

ऋतिक रोशन ने किया ओ रोमियो का रिव्यू, शाहिद कपूर को लेकर कही ये बात

ऋतिक रोशन ने शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की ओ रोमियो देखी है। जानिए ऋतिक को कैसी लगी शाहिद की फिल्म और उन्होंने दी क्या प्रतिक्रिया

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई है। इस बीच अब अभिनेता ऋतिक रोशन ने ओ रोमियो देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फिल्म की एक्टिंग के साथ-साथ निर्देशन और तकनीकि पक्षों पर भी बात की है।

ऋतिक ने शाहिद को बताया बेस्ट

ऋतिक रोशन ने ओ रोमियो देखने के बाद अपने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें अभिनेता ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। उन्होंने फिल्म के अपने फेवरेट सीन का भी जिक्र किया है। साथ ही बाकी लोगों से भी फिल्म देखने की अपील की है। अपनी पोस्ट में एक्टर ने लिखा, ओ रोमियो की अनोखी

खासियतें आखिरकार आपको बांधे रखती हैं। मुझे बहुत मजा आया। शाहिद आप इस शैली में सबसे बेहतरीन हैं। आप कमाल के हैं। इसे सिनेमाघरों में जाकर देखें दोस्तों। और वो गोल-गोल दौड़ने वाला एक्शन तो जबरदस्त था।

अब तक इतना हुआ ओ रोमियो का कलेक्शन

ओ रोमियो के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो शाहिद कपूर की फिल्म ने एक हफ्ते में 47.10 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। ये आंकड़े सैक्निल्क के मुताबिक हैं। वहीं फिल्म को क्रिटिक्स से भी मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई है।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही हो, लेकिन इस फिल्म को लेकर विशाल भारद्वाज का कहना है कि ये उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक होगी। फिलहाल देखना है कि आने वाले दिनों में ओ रोमियो कैसा कलेक्शन कर पाती है।

विशाल भारद्वाज ने किया है निर्देशन

विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में शाहिद कपूर ने उस्तरा का किरदार निभाया है, जबकि तृप्ति डिमरी अफ्शा की भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, फरीदा जलाल और हुसैन दलाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

लेखा वाशिंगटन और इमरान खान के रिलेशनशिप पर लोगों ने कहा लव जिहाद

एक्टर इमरान खान को डेट कर रहीं लेखा वाशिंगटन हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' के प्रीमियर में उनके साथ नजर आईं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया और कुछ यूजर्स ने उनके इंटरफेथ रिलेशनशिप को लव जिहाद तक कह दिया। अब लेखा ने इस पूरे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है।

बॉलीवुड

मनीकंट्रोल को दिए इंटरव्यू में लेखा ने कहा कि उन्हें ट्रोलिंग से ज्यादा इस बात से परेशानी होती है कि लोगों की नजर में उनकी पहचान सिर्फ एक मशहूर एक्टर की गर्लफ्रेंड तक सीमित है। उन्होंने कहा कि उनका खुद का करियर रहा है, जिसे नजरअंदाज कर दिया जाता है।

जाहिर है ये मुझ पर किया जा रहा

प्रीमियर के बाद बढ़ती ट्रोलिंग पर लेखा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बेबाक अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, लव जिहादजाहिर है ये मुझ पर किया जा रहा है। मैं पार्ट बर्मी, इटालियन, पंजाबी हूं। साउथ इंडिया में पली-बढ़ी हूं, नॉर्थ इंडिया शिफ्ट हुई। मेरे पिता रोमन कैथोलिक हैं, लेकिन एग्नॉस्टिक सोच रखते हैं। जिस शख्स के साथ मेरा नाम जोड़ा जा रहा है, उनके पिता पार्ट हिंदू, पार्ट स्कॉटिश हैं और मां मुस्लिम हैं। और लोग कह रहे हैं लव जिहाद हो रहा है। मैं कहती हूं झ नहीं, मैं तो लाइट्स बनाती हूं।

इंटरव्यू में उन्होंने आगे कहा, मेरी वीडियो को नफरत और बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया जाना, उस हर चीज के खिलाफ है जिसके लिए मैं खड़ी हूं। ऐसी बेतुकी बातों से निपटने के लिए मर सबसे अच्छा तरीका है। सच में, इस पूरी स्थिति को हल्का बनाकर ही जवाब देना चाहिए।

मैं बहुत लकी हूं

अपने रिश्ते पर हो रही टिप्पणियों के बारे में लेखा ने कहा कि उनका और उनके पार्टनर का परिवार, दोनों ही खुले विचारों वाले बैकग्राउंड से आते हैं। उन्होंने कहा, मैं रोज देखती हूं कि अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े, क्रिएटिव और दयालु लोग कैसे एक-दूसरे का खूबसूरती से साथ देते हैं। मैं बहुत लकी हूं।

कब से रिलेशनशिप में हैं इमरान और लेखा?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा 2020 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे। खबरों के अनुसार, उन्होंने मुंबई के बांद्रा इलाके में समुद्र किनारे एक अपार्टमेंट लीज पर लिया है, जो निर्देशक करण जौहर का बताया जा रहा है। इस घर का किराया करीब 9 लाख रुपये प्रति महीना है। इससे पहले इमरान बांद्रा के पाली हिल स्थित अपने बंगले में रहते थे।

राज्य सरकार ने दी कृषि विश्वविद्यालयों और कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में कृषि अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास और विभागीय सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। स्वीकृतियों का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में बीज भंडारण की आधुनिक सुविधाएं विकसित करना और कृषि विभाग के प्रशासनिक कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना है। इस निर्णय से राज्य के कृषि क्षेत्र में तकनीक और संसाधनों की उपलब्धता होगी। प्रमुख स्वीकृतियों के अंतर्गत आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के साथ बांदा और कानपुर के कृषि विश्वविद्यालयों में स्पेशलाइज्ड सीड स्टोरेज यूनिट एवं सीड हब के निर्माण हेतु पूंजीगत मद में लगभग 4.68 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत निदेशालय एवं प्रशासन मद में फर्नीचर, कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और अन्य आवश्यक उपकरणों के क्रय हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कुल 5.00 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। साथ ही, नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी के तहत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एसएमएई योजना हेतु केन्द्रांश एवं राज्यांश को मिलाकर लगभग 0.25 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें उत्तम कोटि के बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विशेष बीज हब के निर्माण और विभागीय आधुनिकीकरण के लिए जारी की गई धनराशि के सदुपयोग से उत्तर प्रदेश के किसानों को कई दूरगामी लाभ प्राप्त होंगे।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू। नेपाल में अगले महीने होने वाले आम चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से अपनी-अपनी तैयारियां परखी जा रही हैं। इस कड़ी में तीन राजनीतिक दलों ने चुनाव को लेकर घोषणा पत्र जारी किया है। इन दलों ने अपने घोषणा पत्र में पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा किया है। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है। जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास

उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में 'संतुलित और गतिशील कूटनीति' अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को 'बफर स्टेट' से 'सक्रिय सेतु' (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, 'हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।' पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा। सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति 'सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं' को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया। यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे उनके हितों को नुकसान पहुंचे। आगामी चुनावों में विदेश नीति, क्षेत्रीय संतुलन और पड़ोसी देशों के साथ संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल होते दिख रहे हैं।

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप', अमेरिकी सांसद का दावा

अमेरिक। वरिष्ठ अमेरिक सांसद ब्रैड शेरमन ने कहा कि ट्रंप भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए बहुत

अधिक टैरिफ लगाने का बहाना ढूंढ रहे हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। टैरिफ गेमचेंजर, व्यापार घाटे में 78 फीसदी कमी आईः ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय विभिन्न कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ को दिया और इसे कई दशकों में पहली उपलब्धि करार दिया। सोशल मीडिया में बुधवार को यह जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा कि इस साल के अंत तक अमेरिका का व्यापार सकारात्मक स्थिति में पहुंच जाएगा। आंकड़े ट्रंप के दावों से उलट हालांकि, राष्ट्रपति के दावों के उलट आंकड़े कुछ और कहानी बयां कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में अमेरिका का व्यापार घाटा फिर से बढ़कर 56.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जो उससे पिछले महीने की तुलना में करीब 95 फीसदी अधिक था। इस दौरान निर्यात 3.6 फीसदी घटकर 292.1 अरब डॉलर रह गया।

25 नहीं, 30 की उम्र तक पूरी तरह विकसित होता है दिमाग; नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने तोड़ा फ्रंटल लोब मिथ

25 नहीं 30 साल की उम्र तक दिमाग पूरी तरह से विकसित हो जाता है। नई इंटरनेशनल स्टडी

ने फ्रंटल लोब से जुड़े मिथक को गलत साबित किया है। पढ़िए पूरी रिपोर्ट... दशकों से यह दावा किया जाता रहा है कि इंसान का फ्रंटल लोब 25 वर्ष की उम्र तक पूरी तरह विकसित हो जाता है। ब्रेन-इमेजिंग अध्ययनों के सीमित डाटा पर बनी यह मान्यता अब अधूरी मानी जा रही है। हालिया शोध से संकेत मिला है कि मस्तिष्क की वायरिंग, नेटवर्क दक्षता और संरचनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव 30 की शुरूआती उम्र तक जारी रहते हैं। इसका अर्थ है कि 25 वर्ष मस्तिष्क परिपक्वता की अंतिम सीमा कभी था ही नहीं। शोध के अनुसार फ्रंटल लोब को योजना बनाने, निर्णय लेने, निर्णय क्षमता, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक व्यवहार जैसे उच्च-स्तरीय कार्यों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसी वजह से जब युवा आवेगपूर्ण व्यवहार करते हैं या अस्थिरता महसूस करते हैं, तो अक्सर कहा जाता है कि उनका फ्रंटल लोब अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। 20 और 30 के शुरूआती उम्र के कई लोगों के लिए यह विचार सांत्वना देने वाला भी रहा है कि जीवन की उलझनों के पीछे आंशिक रूप से जैविक कारण हो सकते हैं। जब हम छोटे होते हैं, तो मस्तिष्क बहुत ज्यादा रास्ते बना लेता है जैसे हर सड़क में गली बना दी जाए। उम्र बढ़ने के साथ दिमाग तय करता है कि कौन-से रास्ते उपयोगी हैं और कौन-से नहीं। जो कम इस्तेमाल होते हैं, वे खत्म हो जाते हैं और जरूरी रास्ते चौड़े व मजबूत हो जाते हैं। यही प्रक्रिया न्यूरल प्रूनिंग कहलाती है। इसी कारण किशोरावस्था में सोचने का तरीका बदलता है। न्यूरोप्लास्टिसिटी : बेहतर मस्तिष्क निर्माण की कुंजी यदि 20 की उम्र तक मस्तिष्क निमार्णाधीन है, तो सवाल उठता है कि इस संरचना को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जा सकता है। इसका उत्तर न्यूरोप्लास्टिसिटी में निहित है, यानी मस्तिष्क की स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्संरचित करने की क्षमता। हालांकि मस्तिष्क जीवन भर परिवर्तनशील रहता है, लेकिन नौ से 32 वर्ष की अवधि संरचनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर मानी गई है। शोध से पता चलता है कि उच्च-तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम, नई भाषाएं सीखना और शतरंज जैसे संज्ञानात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण शौक मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

चेतावनी के बीच ईरान-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू ट्रंप की सख्ती से बढ़ा तनाव

काहिरा। ट्रंप की 15 दिन की चेतावनी के बीच ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया। ड्रिल में हाईजैक जहाज छुड़ाने का ऑपरेशन और कई युद्धपोत शामिल रहे। अमेरिका ने विमानवाहक पोत तैनात कर दबाव बढ़ाया है। सीमित हमले की अटकलें भी तेज हैं। पश्चिम एशिया में तनाव तेज है। एक ओर ट्रंप ने ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए 10 से 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, दूसरी ओर ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई जा रही है। ईरानी सेना की वेबसाइट के अनुसार, ईरान की सेना, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और रूस की स्पेशल ऑपरेशन टीमों ने अभ्यास के

दौरान कथित हाईजैक किए गए जहाज को छुड़ाने का ऑपरेशन किया। ड्रिल में ईरान का अलवंद डिस्ट्रॉयर, मिसाइल दागने वाले युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, लैंडिंग क्राफ्ट, स्पेशल टीम और कॉम्बैट स्पीडबोट शामिल रहे। होर्मुज के बाद नया संदेश? यह अभ्यास उसी सप्ताह हुआ जब आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में ड्रिल की थी। उस दौरान रणनीतिक जलमार्ग कुछ समय के लिए बंद भी किया गया था। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम है। संयुक्त अभ्यास को क्षेत्रीय शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप का अल्टीमेटम ट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि ईरान के पास डील के लिए 10 से 15 दिन हैं, इसके बाद ह्लबहुत बुरी चीजेंह्व हो सकती हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को मिडिल ईस्ट भेजने का आदेश दिया। इससे पहले यूएसएस अब्राहम लिंकन क्षेत्र में मौजूद है। अमेरिकी वायु और नौसैनिक ताकत में हाल के दिनों में बढ़ोतरी हुई है। हमले की अटकलें कुछ रिपोर्टों में दावा है कि वार्ता विफल होने पर हमले की संभावना बढ़ सकती है। एक आकलन में इसे 90 प्रतिशत तक बताया गया। सीमित सैन्य हमले के विकल्प पर भी चर्चा की खबरें हैं, जिनमें परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही गई। ऐसे में कूटनीति और सैन्य तैयारी साथ-साथ चल रही हैं और क्षेत्र में तनाव ऊंचा बना हुआ है।

11 घंटे की जांच के बाद रिहा किए गए पूर्व प्रिंस एंड्रयू, एपस्टीन फाइल में नाम

लंदन। ब्रिटेन की पुलिस ने पूर्व प्रिंस एंड्रयू को सार्वजनिक पद पर कदाचार के संदेह में गिरफ्तार करने के करीब 11 घंटे बाद 'जांच के तहत रिहा'कर दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि उन्हें न तो आरोपित किया गया है और न ही दोषमुक्त ठहराया गया है। ब्रिटिश शाही परिवार से गिरफ्तार होने वाले पहले शख्स एंड्रयू माउंटबेटन को करीब 11 घंट की गिरफ्तारी के बाद रिहा कर दिया गया है। ब्रिटेन पुलिस का कहना है कि पूर्व राजकुमार एंड्रयू को जांच के तहत रिहा कर दिया गया है। सार्वजनिक पद पर दुर्व्यवहार के संदेह में गिरफ्तारी के करीब 11 घंटे बाद एंड्रयू को रिहा कर दिया। लगभग चार शताब्दियों में यह पहली बार था कि किसी वरिष्ठ ब्रिटिश शाही सदस्य को गिरफ्तार किया गया। थेम्स वैली पुलिस ने शाही सैंड्रिंघम एस्टेट के संदर्भ में कहा, 'हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि नॉरफॉक में हमारी तलाशी अब समाप्त हो गई है।'

जबकि बर्कशायर में तलाशी अभी जारी है। पुलिस ने इस मामले में आगे कोई बयान या प्रेस कॉन्फ्रेंस न करने की बात कही है। दरअसल, एंड्रयू को जेफरी एपस्टीन के सहयोगी के रूप में वर्षों से जाना जाता था, लेकिन हाल ही में जारी की गई जानकारी में उनका नाम अधिक प्रमुखता से सामने आया है। फिलहाल कोई औपचारिक आरोप तय नहीं ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति प्रिंस एंड्रयू (एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर) हैं, जो किंग चार्ल्स तृतीय के भाई और दिवंगत महारानी क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र हैं। बता दें कि एंड्रयू को गुरुवार सुबह करीब 8 बजे स्थानीय समय पर गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें नॉरफॉक के एल्शम पुलिस स्टेशन से जाते हुए देखा गया। पुलिस के मुताबिक, उन्हें जांच के तहत रिहा किया गया है, जिसका मतलब है कि फिलहाल उन पर कोई औपचारिक आरोप तय नहीं हुए हैं। एपस्टीन के साथ रिश्तों को लेकर विवादों में एंड्रयू पूर्व प्रिंस एंड्रयू का नाम लंबे समय से दिवंगत दोषी यौन अपराधी और फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन के साथ रिश्तों को लेकर विवादों में रहा है। हालांकि, एंड्रयू लगातार किसी भी तरह के गलत काम से इनकार करते रहे हैं। वहीं इससे पहले शाही परिवार की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए किंग चार्ल्स ने कहा कि वे जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करेंगे, लेकिन फिलहाल इस पर और टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। ईमेल रिकॉर्ड से बढ़ा संदेह जांच के दायरे में वे ईमेल भी शामिल हैं जो अमेरिका में जारी दस्तावेजों का हिस्सा हैं। इन ईमेल से संकेत मिलता है कि एंड्रयू ने आधिकारिक व्यापार यात्राओं से जुड़ी रिपोर्टें एपस्टीन को भेजीं। एक रिपोर्ट नवंबर 2010 की बताई गई है, जिसे उनके तत्कालीन भारतीय मूल के विशेष सहायक अमित पटेल ने तैयार किया था। इन दस्तावेजों के सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जेफरी और एड्रयू के संबंध 2010 में जेफरी एपस्टीन को एक मौके पर प्रिंस एंड्रयू के साथ भी देखा गया था। बाद में एक इंटरव्यू में एंड्रयू ने दावा किया था कि वे सिर्फ एपस्टीन से अपनी दोस्ती तोड़ने गए थे। उन्होंने कहा था कि उन्हें एक यौन उत्पीड़न के दोषी के साथ दोस्ती रखने और कई मौकों पर उसके घर पर रुकने का भी खेद है। हालांकि, बाद में एपस्टीन के जो ईमेल और दस्तावेज सार्वजनिक हुए, उनमें सामने आया कि प्रिंस एंड्रयू आगे भी एपस्टीन के संपर्क में रहे। एपस्टीन पर आरोप लगाने वाली एक महिला वर्जीनिया गिफर ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन ने 2000 के दशक की शुरूआत में उन्हें एंड्रयू के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। एंड्रयू ने इन आरोपों से साफ इनकार किया था और कहा था कि उन्हें लंदन में गिफर से मिलने या तस्वीर खिंचाने की बात याद नहीं है। हालांकि, 2022 में एंड्रयू ने गिफर को अपने खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न के मामले को खत्म करने के लिए करोड़ों की राशि चुकाई थी। एंड्रयू को लेकर बाद में और भी खुलासे हुए। 2025 में एंड्रयू से उनका शाही पद और प्रिंस शीर्षक छीन लिया गया।

अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका में भारत शामिल, रणनीतिक रिश्ते होंगे और मजबूत

भारत। भारत ने अमेरिकी-नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होकर वैश्विक सेमीकंडक्टर-एआई इंफ्रास्ट्रक्चर सप्लाई चेन की रणनीतिक दौड़ में नई दिशा दे दी है। ट्रंप प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सिलिकॉन-

आधारित तकनीकों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विविधीकृत करना है। भारत ने अमेरिकी- नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होकर वैश्विक सेमीकंडक्टर-एआई इंफ्रास्ट्रक्चर सप्लाई चेन की रणनीतिक दौड़ में नई दिशा दे दी है। ट्रंप प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य सिलिकॉन-आधारित तकनीकों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विविधीकृत करना है। नई दिल्ली में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में औपचारिक रूप से इस साझेदारी का ऐलान कर दिया गया, जिससे अमेरिका को उन्नत चिप्स और एआई हार्डवेयर की वैश्विक पहुंच तय करने की प्रतिस्पर्धा में अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। पैक्स सिलिका ट्रंप प्रशासन की वह रणनीतिक पहल है, जिसका लक्ष्य वैश्विक स्तर पर सिलिकॉन-आधारित तकनीकों विशेषकर उन्नत सेमीकंडक्टर और एआई हार्डवेयर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाना है। अमेरिका का कहना है कि यह पहल किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं, बल्कि अपनी तकनीकी बढ़त और आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। अमेरिकी विदेश विभाग में आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने सीएनबीसी से कहा, पैक्स सिलिका वास्तव में चीन के बारे में नहीं है, यह अमेरिका के बारे में है। अमेरिका भारत को एक ऐसे साझेदार के रूप में देखता है जो इन आपूर्ति श्रृंखलाओं को डी-रिस्क और विविधीकृत करने में मदद कर सकता है। एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम का भी मिलेगा समर्थन भारत के शामिल होने से पैक्स सिलिका को न केवल एक बड़ा उपभोक्ता बाजार मिलता है, बल्कि उभरते हुए सेमीकंडक्टर निर्माण और एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम का भी समर्थन मिलता है। इससे सप्लाई चेन का विविधीकरण संभव हो सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि भारत की भागीदारी से अमेरिका को एआई और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के नियम और पहुंच तय करने में अधिक प्रभाव मिलेगा। भारत के ब्रिक्स सदस्य-बड़ा बाजार होने से अमेरिका को फायदा भारत की भागीदारी को अमेरिका के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और रणनीतिक जीत माना जा रहा है।

ईरान ने रूस के साथ किया युद्ध अभ्यास, पश्चिम एशिया के करीब पहुंचा अमेरिका का विमानवाहक पोत

तेहरान। अमेरिका के साथ तनाव के बीच ईरान ने रूस के साथ वार्षिक सैन्य अभ्यास किया है। यह युद्ध अभ्यास हॉर्मुज की खाड़ी में किया गया है। उधर, अमेरिकी विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया के करीब पहुंच गया है। पढ़ें रिपोर्ट ईरान ने गुरुवार को रूस के साथ वार्षिक सैन्य युद्ध अभ्यास किया। यह युद्ध अभ्यास ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी विमानवाहक पोत पश्चिम एशिया के करीब पहुंच रहा है। अमेरिका और ईरान दोनों ने संकेत दिए हैं कि अगर तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता विफल हुई, तो वे युद्ध के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ समझौता की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन वार्ता वर्षों से ठप हैं। वहीं, ईरान ने अमेरिका और इस्राइली मांगों पर चर्चा करने से इनकार किया है। अमेरिका और इस्राइल की मांग है कि ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम में कटौती करे और सशस्त्र समूहों से अपने संबंध तोड़ने होंगे। हाल के हफ्तों में हुई अप्रत्यक्ष वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई। इसकी भी आशंका है कि इस समय का इस्तेमाल दोनों पक्ष युद्ध की अंतिम तैयारी के लिए कर रहे हैं'। 12 दिन के संघर्ष और विरोध प्रदर्शन के बाद ईरान सरकार की स्थिति कमजोर पिछले साल इस्राइल और अमेरिका के साथ 12 दिनों तक संघर्ष और जनवरी में बड़े प्रदर्शनकारियों को हिंसक रूप से दबाने के बाद ईरान सरकार पहले से अधिक कमजोर हो गई है। फिर भी यह इस्राइल और अमेरिका के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम है और उसने चेतावनी दी है कि कोई भी हमला क्षेत्रीय युद्ध को जन्म देगा।

सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह; कहा-लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के

असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।